RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 80 ता. 21 सितम्बर 2021, मंगलवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

हाईकोर्ट के 68 जजों के नामों की सिफारिश पर फैसला नहीं ले सकी है सरकार, जम्मू-कश्मीर के लिए तीसरी बार भेजा नाम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार अब तक उन 68 न्यायिक अधिकारियों व वकीलों को विभिन्न हाईकोर्ट में जज बनाने को लेकर फैसला नहीं कर सकी है, जिनके नाम सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पिछले महीने अपनी सिफारिश में भेजे थे। उच्च न्यायपालिका की नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े एक सूत्र ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि इन नामों में जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट के लिए तीसरी बार भेजा गया एक नाम भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने अगस्त में किया था नामित, जम्मू-कश्मीर के लिए तीसरी बार भेजा गया है एक जज का नाम

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमण की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय कॉलेजियम ने 8 अगस्त से 1 सितंबर के बीच केंद्र सरकार को विभिन्न हाईकोर्ट में जज के तौर पर नियुक्ति के लिए 100 से ज्यादा नामों की सिफारिश की थी। बाद में कॉलेजियम ने इनमें से 12 हाईकोर्ट में जज बनाने के लिए 68 नामों की एक निर्णायक सूची भेजी थी। सूत्रों का कहना है कि केंद्र सरकार अब तक इस सूची पर फैसला नहीं ले सकी है। इन 68 नामों में जम्मू-कश्मीर के लिए तीसरी बार भेजे गए एक नाम के अलावा कर्नाटक हाईकोर्ट के लिए तीसरी बार भेजे गए दो नाम शामिल हैं, जबकि 10 नामों की सिफारिश दूसरी बार की गई है। बाकी 55 को पहली बार नामित किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के लिए नाम बाद में गए, मंजूरी पहले मिली

कॉलेजियम ने इन 68 नामों से इतर 17 अगस्त को एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 3 महिला जजों समेत 9 नामों को सुप्रीम कोर्ट में जज के तौर पर प्रोन्नत करने की सिफारिश सरकार से की थी। इस सिफारिश को अप्रत्याशित रूप से त्वरित गति से मंजूर करते हुए केंद्र सरकार ने 31 अगस्त को सभी 9 जजों को सुप्रीम कोर्ट में शपथ ग्रहण भी करा दिया।

मुख्यमंत्री चरणजीत ने दो डिप्टी सीएम रंधावा और सोनी के साथ शपथ ली

जालंधर। पंजाब के नए मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने सीएम पद की शपथ ले ली है। उनके साथ डिप्टी सीएम के तौर पर सुखजिंदर सिंह रंधावा और ओपी सोनी ने भी शपथ ली। पंजाब में पहली बार 2 डिप्टी सीएम बनाए गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह 11 बजे होना था लेकिन राहुल गांधी के इंतजार में 22 मिनट की देरी हुई। इसके बाद शपथ ग्रहण शुरू करवा दिया गया। राहुल गांधी उसके बाद राजभवन पहुंचे। अपमानित होकर मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ने को मजबूर हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह शपथ ग्रहण समारोह में नहीं आए।

चरणजीत चन्नी अब पंजाब के इतिहास में पहले दलित मुख्यमंत्री बन गए हैं। वहीं, जट्टसिख कम्युनिटी से सुखजिंदर सिंह रंधावा और हिंदू नेता के तौर पर ओपी सोनी को डिप्टी सीएम बनाया गया है। पहले सोनी की जगह ब्रह्ममोहिंदरा का नाम घोषित किया गया था। मोहिंदरा कैप्टन ग्रुप से हैं, इसलिए अंतिम समय में उनका पत्ता कट गया। पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू के समर्थन से चन्नी सीएम की कुर्सी पाने में कामयाब रहे। यह कुर्सी कैप्टन अमरिंदर सिंह के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।

शपथ के बाद मंत्रिमंडल पर नजर–चरणजीत चन्नी के शपथ लेने के बाद मंत्रिमंडल पर नजर रहेगी। चन्नी अब तक तकनीकी शिक्षा मंत्री रहे हैं। अब उनके पास कौन-सा मंत्रालय रहेगा। दो डिप्टी ष्टरूके पास कौन-सी जिम्मेदारी होगी। सबसे बड़ा सवाल यह कि अब कौन मंत्री बनेगा और कैप्टन सरकार के मंत्रियों में से किसका पत्ता कटेगा। चन्नी के सीएम बनने के बाद कांग्रेस दलित कार्ड खेल चुकी है। ऐसे में साधु सिंह धर्मसोत की वापसी मुश्किल हो गई है। उन पर दलित स्टूडेंट्स की पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप में घोटाले का आरोप है।

विरोधियों के लिए नई चुनौती

पंजाब में विरोधियों ने चुनाव के बाद जो वादे किए, वह कांग्रेस ने अभी पूरे कर दिए। BJP ने दलित सीएम कहा तो कांग्रेस ने चरणजीत चन्नी को बना दिया। अकाली दल ने एक हिंदू व एक दलित को डिप्टी सीएम बनाने की बात कही थी। कांग्रेस ने हिंदू व जट्ट सिख को डिप्टी सीएम बनाकर उसका तोड़ निकाल लिया। अब पंजाब में सरकार बनाने के लिए विरोधियों के आगे नई चुनौती पैदा हो गई हैं। अब जातीय ध्रुवीकरण के मुद्दे पर कांग्रेस के पास उनके लिए सटीक जवाब है।

कांग्रेस का मास्टरस्ट्रोक

- पंजाब में 5 महीने बाद विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में दलित वोट बैंक को साधने के लिए इसे कांग्रेस का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा। पंजाब में 32 प्रतिशत दलित आबादी है। 117 में से 34 सीटें रिजर्व हैं। वहीं चन्नी भले ही दलित नेता हैं, लेकिन सिख समाज से हैं। इस लिहाज से कांग्रेस को इसका बड़ा सियासी लाभ मिल सकता है। खासकर, दलित लैंड कहे जाने वाले पंजाब के दोआबा एरिया में कांग्रेस का दबदबा बढ़ सकता है।
- हिंदू नेता ब्रह्ममोहिंदरा को डिप्टी सीएम बनाने से कांग्रेस ने हिंदू वोट बैंक को भी साधने की कोशिश की है। यह इसलिए अहम है, क्योंकि हिंदू वोट बैंक हमेशा भाजपा के साथ जाता है। हालांकि कैप्टन की व्यक्तिगत छवि को देखते हुए उन्हें भी शहरों से इसका लाभ मिलता रहा।
- जट्ट सिख कम्युनिटी नाराज न हो, इसलिए सुखजिंदर रंधावा को डिप्टी ष्टरू बनाया जा रहा है। अब तक यही कम्युनिटी पंजाब को सीएम चेहरे देती रही है। यह वोट बैंक अकाली दल का माना जाता है। हालांकि 2017 में बेअदबी के मुद्दे पर यह छिटककर आम आदमी पार्टी की तरफ चला गया। रंधावा को मंत्रिमंडल गठित होने पर मजबूत प्रोफाइल दिया जा सकता है। इसके जरिए जट्ट सिख वोट बैंक में अपना शेयर सुनिश्चित किया जाएगा।

कोवैक्सीन की सुरक्षा पर डब्ल्यूएचओ को जानकारी देगी भारत बायोटेक

खतरे के बारे में भी बताएगा

हैदराबाद। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का टीकाकरण संबंधी रणनीतिक परामर्श विशेषज्ञ समूह (एसएजीई) भारत बायोटेक के कोरोना रोधी टीके कोवैक्सीन को आपात इस्तेमाल के लिए सूचीबद्ध किए जाने पर अपनी सिफारिशें देने के लिए अक्टूबर में बैठक करेगा। एसएजीई के मसौदा एजेंडे के अनुसार, इस दौरान भारत बायोटेक द्वारा टीके की सुरक्षा और चिकित्सीय परीक्षण (पहले से तीसरे चरण तक के नतीजों और विपणन बाद) के आंकड़ों के प्रभाव पर जानकारी दिए जाने की उम्मीद है। विशेषज्ञों को खतरे के प्रबंधन की योजनाओं के बारे में भी बताया जाएगा। विशेषज्ञ समूह को टीके और प्रौद्योगिकी, अनुसंधान तथा विकास, टीके की आपूर्ति से लेकर अन्य स्वास्थ्य मुद्दों से इसके संबंध के बारे में वैश्विक नीतियों पर डब्ल्यूएचओ को सलाह देने का अधिकार है। एजेंडे में कहा गया है कि बैठक में कोवैक्सीन के पहले, दूसरे, तीसरे चरण के परीक्षण के आंकड़ों और अन्य चीजों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की जाएगी। भारत बायोटेक ने हाल में ही कहा था कि उसने आपात इस्तेमाल के लिए सूचीबद्ध किए जाने की खातिर डब्ल्यूएचओ को कोवैक्सीन से संबंधित सभी

आंकड़े सौंप दिए हैं। अब वह उसके जवाब का इंतजार कर रही है। कोवैक्सीन कोरोना वायरस रोधी उन छह टीकों में से एक है जिन्हें भारत के दवा नियामक से आपात इस्तेमाल की मंजूरी मिली है। कोविशील्ड और स्पुतनिक वी के साथ देशव्यापी टीकाकरण अभियान में इसका इस्तेमाल किया जा रहा है।

एनजीटी ने वायु प्रदूषण पर 10 अक्टूबर तक मांगी कई राज्यों से कार्ययोजनाएं

राष्ट्रीय स्तर की रणनीति

नई दिल्ली। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की दक्षिणी, पूर्वी और मध्य शाखाओं ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए केंद्रीय एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से 10 अक्टूबर तक संबंधित क्षेत्रों की राज्य कार्ययोजनाओं की स्थिति तलब की है। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम सिर्फ नान-अटेनमेंट शहरों के लिए नहीं है, इस दलील को स्वीकार करते हुए एनजीटी की दक्षिणी शाखा ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और कर्नाटक, तमिलनाडु व तेलंगाना को 10 अक्टूबर तक अपनी विस्तृत राज्य कार्ययोजना दाखिल करने का निर्देश दिया है। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम एक राष्ट्रीय स्तर की रणनीति है जिसे केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2019 में शुरू किया था। बता दें कि ऐसे शहरों

को नान-अटेनमेंट घोषित किया जाता है जो लगातार पांच साल से अधिक अवधि तक पीएम-10 या नाइट्रोजन डाई आक्साइड के लिए नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड को पूरा नहीं कर पाते। नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम ने देशभर में 132 नान-अटेनमेंट शहरों की पहचान की है।

साझा सेवा केंद्रों पर मिलेंगी राशन कार्ड से जुड़ी सेवाएं

23.64 करोड़ कार्डधारकों को होगा लाभ

नई दिल्ली। देशभर में 3.7 लाख से अधिक साझा सेवा केंद्रों (सीएससी) में अब राशन कार्ड से संबंधित सेवाएं भी उपलब्ध होंगी। इन सेवाओं में नए राशन कार्ड के लिए आवेदन करना, ब्योरे का अद्यतन करना और उसे आधार से जोड़ना शामिल है। इस कदम से देशभर के 23.64 करोड़ राशन कार्डधारकों को लाभ होगा। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय की अधीनस्थ विशेष

इकाई सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लि. के साथ करार किया है। इस करार का मकसद अर्द्ध शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में राशन की आपूर्ति को सुसंगत करना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करना है।

चुनावी राज्यों में टीकाकरण तेज, सभी को कम से कम एक डोज लगाने का टारगेट

नई दिल्ली। रविवार को मामले से परिचित लोगों ने जानकारी दी कि पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे चुनावी राज्यों में पूरी पात्र आबादी को कम से कम कोविड वैक्सीन की एक खुराक देना सरकार की प्राथमिकता है। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने कहा कि इसके अलावा, अक्टूबर के दूसरे सप्ताह तक एक अरब कोविड वैक्सीन खुराक का लक्ष्य हासिल किए जाने की भी संभावना है। नाम न छापने की शर्त पर एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया हम उन राज्यों में सभी को कोविड-19 वैक्सीन का कम से कम एक शॉट देने पर विचार कर रहे हैं, जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। गोवा और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने पहले ही 100% पहली खुराक की

कवरेज देखी है, और फिर पंजाब और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य हैं जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यहां हर किसी को कम से कम पहली खुराक दी जाए। गोवा और हिमाचल प्रदेश पहले ही अपनी पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक खुराक दे चुके हैं। केंद्र कोरोना को रोकने के लिए जहां तक संभव हो भीड़-भाड़ से बचने की आवश्यकता पर जोर दे रहा है। और अगर सार्वजनिक स्थानों पर बाहर निकलने की जरूरत है जहां भारी भीड़ होने की संभावना है तो यह केवल उन लोगों द्वारा किया जाना चाहिए जिन्हें पूरी तरह से टीका लगाया जा चुका है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा... सामूहिक समारोहों को रोका जाना चाहिए, विशेष रूप से आगामी त्योहारों के मौसम में क्योंकि हमारे पास अभी भी कुछ जिले हैं जो समस्या का सामना कर रहे हैं। साथ ही पूर्ण टीकाकरण एक पूर्व-आवश्यकता होनी चाहिए।

सरकार ने कहा कि भारत की 20% वयस्क आबादी को पूरी तरह से टीका लगाया जा चुका है और 62% को कम से कम एक खुराक मिली है। इस्तेमाल किए गए सभी टीकों में से, लगभग 89% ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका वैक्सीन हैं, जो सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा कोविशील्ड ब्रांड नाम के तहत निर्मित हैं। कम से कम 10% भारत बायोटेक के कोवैक्सिन और लगभग 1% रूसी निर्मित स्पुतनिक वी वैक्सीन हैं।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन को घेरने की प्लानिंग

नई दिल्ली। हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में चीन की घेराबंदी और राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के लिए अंडमान निकोबार के खाली द्वीपों को रणनीतिक केंद्रों के रूप में विकसित करने पर विचार चल रहा है। अंडमान निकोबार द्वीप समूह के दर्जनों खाली द्वीप ऐसे हैं जहां सैन्य केंद्र स्थापित कर बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में भारत अपनी ताकत को बढ़ा सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में चीन की व्यापारिक और रणनीतिक गतिविधियों दोनों में इजाफा हुआ है। आने वाले समय में चीन हिन्द प्रशांत समुद्र क्षेत्र में विमानवाहक पोत भी तैनात कर सकता है। उसके पास चार पोत हैं जबकि भारत के पास सिर्फ दो हैं। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि अंडमान निकोबार में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण द्वीपों की श्रृंखला के रणनीतिक इस्तेमाल से समुद्र में चीन की किसी भी चुनौती से निपटा जा सकता है।

534 निर्जन द्वीपअंडमान निकोबार द्वीप समूह में 534 खाली द्वीप हैं जबकि 38 द्वीपों पर आबादी है। इनका कुल क्षेत्रफल करीब नौ हजार वर्ग किमी है। इन खाली द्वीपों में से कुछ द्वीपों को सैन्य बेस के रूप में विकसित किया जा सकता है। जहां से समुद्र में

हर गतिविधियों पर निगरानी के साथ-साथ त्वरित कार्रवाई के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा सकते हैं। खबर है कि इस पर शुरुआती कार्य भी चल रहा है। यह कार्य कई स्तरों पर हो रहा है। द्वीपों के समग्र विकास के लिए केंद्रीय गृह मंत्री की अध्यक्षता में एक आईलैंड अथारिटी ने 2017 में कार्य शुरू किया है। इसके अलावा अलग से सैन्य उपयोग को लेकर भी अध्ययन किए जा रहे हैं।

मलक्का जलसंधि के करीब

सरकारी सूत्रों के अनुसार चूंकि अंडमान निकोबार द्वीप समूह से मलक्का जलसंधि सिर्फ सौ किलोमीटर की दूरी पर है, इसलिए ये द्वीप बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं। विश्व का 75 फीसदी कारोबार इस चैनल से होकर गुजरता है जिसमें उपभोक्ता वस्तुओं, पेट्रोलियम से लेकर मिलिट्री साजोसामान तक शामिल है। निकोबार के द्वीपों का रणनीतिक महत्व इसलिए भी बढ़ रहा है क्योकिं चीन ने श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह को हथिया रखा है। श्रीलंका में उसकी गतिविधियों का रास्ता मलक्का जलसंधि से होकर ही गुजरेगा। इतना ही नहीं वह श्रीलंका, म्यांमार, बांग्लादेश, थाइलैंड आदि देशों को हथियारों की आपूर्ति भी कर रहा है जिसके मद्देनजर भारत की अपनी तैयारियां जरुरी हैं।

ट्राई सर्विस कमान–समुद्री सुरक्षा को लेकर 2001 में अंडमान निकोबार में ट्राई सर्विस कमांड की स्थापना की गई थी जिसका मुख्यालय पोर्ट ब्लेयर में है। इसमें जल, नभ और थल तीनों सेनाएं हैं तथा यह थियेटर कमान जैसे के रूप में ही कार्य करती है। भविष्य में जब मैरीटाइम थियेटर कमान बनेगी तो ट्राई सर्विस कमान को उसी के नियंत्रण में लाया जा सकता है।

तीन एयरपोर्ट–ऐसा नहीं है कि अंडमान निकोबार को रणनीतिक नजरिये से मजबूत बनाने के प्रयास नहीं हुए हों। इस पर लगातार काम होता रहा है। ट्राई सर्विस कमान बनने के बाद ग्रेट निकोबार और कैम्पाबेल बे स्थित एयरपोर्ट आईएनएस बाज का विस्तार किया जा रहा है। इसके अलावा एक और शिबपुर एयर पट्टी को इस्तेमाल योग्य बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

चुनौती

सूत्रों का कहना है कि इस योजना पर निर्णय होने में देरी के पीछे असल वजह खाली द्वीपों में निर्माण आदि को लेकर पर्यावरणिक मुद्दे हैं। हालांकि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में इन मुद्दों को अनदेखा किया जा सकता है।

सार समाचार

दिल्ली वाहन मालिकों को पीयूसी सर्टिफिकेट रखना होगा अनिवार्य, वरना होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वाहन मालिकों से वैध प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाण पत्र रखने का अनुरोध किया है, अगर यह नहीं मिला तो तीन महीने के लिए निलंबित ड्राइविंग लाइसेंस की अतिरिक्त कार्रवाई के साथ 10,000 रुपये का जुर्माना देना पड़ेगा। रविवार को दिल्ली परिवहन विभाग ने रिपोर्ट जारी करते हुए बताया, परिवहन विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार प्रदूषण को नियंत्रित करने और दिल्ली में वायु गुणवत्ता में सुधार के अपने जारी प्रयासों में शहर के सभी मोटर वाहन मालिकों से अनुरोध करती है कि वे अपने वाहनों को केवल वैध पीयूसी प्रमाण पत्र के साथ ही चलाएं। नोटिस में आगे कहा गया है, सभी पंजीकृत वाहन मालिकों से अनुरोध है कि वे राज्य परिवहन विभाग द्वारा अधिकृत प्रदूषण जांच केंद्रों से अपने वाहनों की जांच करवाएं ताकि ड्राइविंग लाइसेंस के किसी भी दंड/कारावास/निलंबन से बचा जा सके। रिकॉर्ड के अनुसार, दिल्ली भर में फैले पेट्रोल पंपों और कार्यशालाओं में 900 से अधिक प्रदूषण जाँच केंद्र स्थापित हैं, जिससे मोटर चालकों के लिए अपनी सुविधानुसार अपने वाहनों की जाँच करना आसान हो जाता है। केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 के अनुसार, बीएस 1, बीएस 2, बीएस 3, बीएस 4 और बीएस 6 सहित वाहनों को पीयूसी सर्टिफिकेट रखना आवश्यक है। यहां तक कि सीएनजी और एलपीजी किट से लैस वाहनों के लिए भी प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है, जो कि कुछ डीजल वाहनों, किसी भी बीएस 4 और उससे ऊपर के पेट्रोल वाहनों के लिए एक साल के लिए और बाकी के लिए तीन महीने के लिए नवीनीकृत किया जाता है।

केरल में कांग्रेस का बहुप्रतीक्षित सुधार कई लोगों को कर सकता है परेशान

तिरुवनंतपुरम। कई दिग्गज कांग्रेसी नेता चिंतित महसूस कर रहे हैं क्योंकि किसी को भी इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि पार्टी के नए संगठन की संरचना कैसी होगी, क्योंकि राज्य प्रमुख के.सुधाकरन और विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने सबकुछ गुप्त रखा हुआ है। कुछ मानदंड सामने आने के साथ कि कोई विधायक नहीं होगा और एक संगठनात्मक पद पर पांच साल पूरे करने वाले सभी को छोड़ दिया जाएगा, ऐसे में अपने राजनीतिक भविष्य पर सांस लेने के लिए तड़प रहे दिग्गज ही पार्टी में बिना पद के काम सकते हैं। जब से मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने 6 अप्रैल को एक शानदार जीत के साथ अपना ऐतिहासिक दूसरा कार्यकाल जीता है, कांग्रेस की केरल इकाई के भीतर के शॉट्स पार्टी आलाकमान द्वारा बुलाए गए हैं। पारंपरिक गुट प्रबंधकों - ओमन चांडी और रमेश चेन्नीथला के कड़े विरोध के बावजूद, सुधाकरन और सतीसन दोनों को पदोन्नत किया गया है - जो अब दिल्ली मुख्यालय के आंख और कान के रूप में काम करते हैं। यहां तक कि 14 जिला पार्टी अध्यक्षों के नामकरण के दौरान, पिछले दो दशकों में दक्षिण में राज करने वाले अनुभवी दिग्गज राजनीतिक दांव पर आ गए हैं, आलाकमान ने केवल अपने नए दो अभिषिक्त से सिफारिशें ली हैं।

विधायकों, पदाधिकारियों से मिलने गोवा पहुंचे फडणवीस

पणजी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 2022 के विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के गोवा प्रभारी के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद सोमवार को तटीय राज्य के अपने पहले दौरे पर पहुंचे। गोवा के डाबोलिम अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर फडणवीस की अगवानी के बाद शहरी विकास मंत्री मिलिंद नाइक ने संवाददाताओं से कहा, चुनाव के लिए गोवा का प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद यह उनका पहला दौरा है। वह दो दिनों के लिए गोवा में रहेंगे। वह मंत्रियों, पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और चुनाव की रणनीति तैयार करेंगे। अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान फडणवीस के राज्य भाजपा कार्यकारी समिति के मुख्य सदस्यों से मिलने की भी उम्मीद है, जबकि भाजपा विधायक दल के सदस्यों के साथ भी बैठक करेंगे।

देश में एक दिन में कोविड-19 के 30,256 नए मामले आए, 295 मरीजों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 30,256 नए मामले आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,34,78,419 हो गयी। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 3,18,181 हो गई है, जो 1,83 दिनों बाद सबसे कम है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 295 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,45,133 हो गयी। उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3,18,181 हो गयी है, जो कुल मामलों का 0.95 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में कुल 13,977 कमी दर्ज की गयी। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.72 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार, देश में अभी तक कुल 55,36,21,766 नमूनों की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है, जिनमें से 11,77,607 नमूनों की जांच रविवार को की गई। दैनिक संक्रमण दर 2.57 प्रतिशत है, जो पिछले 21 दिनों से तीन प्रतिशत से कम है। वहीं, साप्ताहिक संक्रमण दर 2.07 प्रतिशत है, जो पिछले 87 दिन से तीन प्रतिशत से कम बनी हुई है। अभी तक कुल 3,27,15,105 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि मृत्यु दर 1.33 प्रतिशत है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण मुहिम के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 80.85 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी है। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, इस साल चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे। आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटे में संक्रमण से जिन 295 लेगों की मौत हुई, उनमें से केरल के 152 और महाराष्ट्र के 49 लोग थे। देश में संक्रमण से अभी तक कुल 4,45,133 लोगों की मौत हुई है।

ओवैसी को साबरमती जेल में पूर्व सांसद अतीक अहमद से मिलने की अनुमति नहीं मिली

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

अधिकारियों ने सोमवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी को अहमदाबाद स्थित साबरमती केंद्रीय जेल में बंद उत्तर प्रदेश के पूर्व सांसद अतीक अहमद से मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। ओवैसी अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और समर्थकों से मिलने के लिए अहमदाबाद के एक दिवसीय दौरे पर आए हैं। उनकी योजना जेल में बंद माफिया सरगना अहमद से मिलने की भी थी जो हाल ही में एआईएमआईएम में शामिल हुए हैं। पार्टी की गुजरात इकाई के अध्यक्ष साबिर काबलीवाला ने कहा, साबरमती जेल के अधिकारियों ने एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी को कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देशों (प्रोटोकॉल) के अलावा इस आधार पर अतीक अहमद से मिलने की अनुमति देने से इनकार कर दिया कि वह अहमद के करीबी रिश्तेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम ने जेल परिसर में ओवैसी एवं अहमद की मुलाकात के लिए जेल अधिकारियों से अनुमति मांगी थी, लेकिन अंतिम समय में इसकी अनुमति नहीं दी गयी। अहमद के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एक व्यापारी के अपहरण और मारपीट के आरोप में उत्तर प्रदेश की नैनी जेल में बंद अहमद को उच्चतम न्यायालय के आदेश पर जून 2019 में उच्च सुरक्षा वाली साबरमती केंद्रीय जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था। ओवैसी की पार्टी ने इस साल हुए स्थानीय निकाय चुनावों के साथ गुजरात की राजनीति में कदम रखा था और पार्टी की योजना अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में अपने उम्मीदवार उतारने की है। इस महीने की शुरुआत में अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन लखनऊ में एक संवाददाता सम्मेलन में एआईएमआईएम में शामिल हुयी थीं जबकि जेल में बंद पूर्व सांसद, अनुपस्थिति में, ओवैसी के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हो गए। अहमद इस पार्टी मे शामिल होने से पहले समाजवादी पार्टी और अपना दल (सोनेवाल) सहित विभिन्न राजनीतिक दलों में रह चुके हैं।

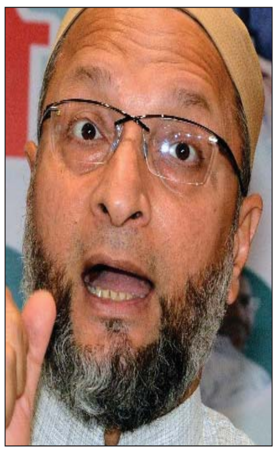

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत श्री नरेन्द्र गिरी जी का शव उनके कमरे में पंखे से लटका हुआ रस्सी जो गले में पड़ा हुआ था और बताया जा रहा है कि शव ज़मीन पर था और कमरा अंदर से बंद था करीब शाम पांच बजे तक जब वह संध्या आरती के लिए अपने आवास से बाहर नहीं निकले शिष्यों ने उनका कोई भी गति विधियां नहीं देखा तो आश्रम के शिष्यों ने प्रयागराज पुलिस को सुचित किया मौके पर पहुंचे आला अधिकारियों ने फोरेंसिक टीम के साथ दरवाजा खोला और महंत श्री नरेन्द्र गिरी जी का शव कब्जे में लेकर जांच में जुट गई बताया गया है कि महन्त श्री नरेन्द्र गिरी जी के एक सात पन्ने का सो साइड नोट मिला है जिसमें बहुत बड़ा खुलासा हो सकता है लेकिन अभी कुछ कहना संभव नहीं है कि यह हत्या हैं या फिर आत्महत्या क्या कारण हो सकता है जिससे महंत श्री नरेन्द्र गिरी जी ने यह कदम उठाया या इसके पीछे किसी का सडयंत्र हैं यह उत्तर प्रदेश प्रयागराज पुलिस की टीम खुलासा करेगी निष्पक्ष जांच के बाद।

महंगाई के विरोध में कर्नाटक कांग्रेस के नेता साइकिल से विधानसभा पहुंचे

बेंगलुरु (एजेंसी)।

कर्नाटक कांग्रेस के नेता एक सप्ताह पहले बढ़ती महंगाई के खिलाफ बैलगाड़ी जुलूस निकालने के बाद सोमवार को विधानसभा में भाग लेने के लिए साइकिल से विधान परिसर पहुंचे। कांग्रेस ने रोजाना इस्तेमाल में आने वाली वस्तुओं और ईंधन की कीमतों में न्यूनतम 20 प्रतिशत की कमी की मांग की।

साइकिल की सवारी शहर में पार्टी मुख्यालय से शुरू हुई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार और विपक्ष के नेता सिद्धारमैया ने साइकिल की सवारी की और विधानसभा पहुंचने के लिए एक विशाल समूह का नेतृत्व किया। सिद्धारमैया ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वे बैलगाड़ी और साइकिल रैलियों का आयोजन करके बढ़ती महंगाई के मुद्दे पर सत्तारूढ़ केंद्र और राज्य सरकारों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं।

केंद्र सरकार जवाब नहीं दे रही है। 2020 में एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत 590 रुपये थी। अब यह 922 रुपये तक पहुंच गई है। एलपीजी की सब्सिडी भी बंद कर दी गई है। केंद्र सरकार कांग्रेस पार्टी पर आरोप लगाती है कि उसने 1.40 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। हां, यह सच है। लेकिन, पिछले साल 23 लाख करोड़ रुपये के कर संग्रह का क्या हुआ। उन्होंने पूछा कि कीमतें नीचे क्यों नहीं आ रही हैं? शिवकुमार ने कहा, सत्तारूढ़ भाजपा ने वेतन और पेंशन में वृद्धि नहीं की है, हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम हैं, पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। लोग जीने के लिए अपना कीमती सामान बेचने को मजबूर हैं।

उन्होंने कहा, भाजपा ने कोविड पीड़ितों को पैसा नहीं दिया और परिवारों के प्रति सहानुभूति भी नहीं जताई। मैं लोगों से इसे बर्दाश्त नहीं करने का आग्रह करता हूं। हम इस सरकार के खिलाफ हैं और आपको इस भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए। उन्होंने कहा, बीजेपी ने बैलगाड़ी और साइकिल रैलियों के लिए हमारा मजाक उड़ाया है। उन्होंने सुझाव दिया कि हम पैदल चलकर सत्र में आएं, हम वह भी करेंगे। बढ़ती महंगाई का मुद्दा विधानसभा में गर्म होने की संभावना है क्योंकि सिद्धारमैया और डी.के. सरकार विधानसभा में उनके द्वारा किए गए सबमिशन पर जवाब देती है तो शिवकुमार ने इसे उठाने की कसम खाई थी।

उमा भारती का विवादित बयान, कहा- ब्यूरोक्रेसी कुछ नहीं होती, हमारी चप्पल उठाती है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती का विवादित बयान सामने आया है। ब्यूरोक्रेसी पर उमा भारती ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लगातार ब्यूरोक्रेसी ठीक तरीके से काम नहीं कर रही है। ब्यूरोक्रेसी चप्पल उठाने के लिए होती है। दरअसल, एक ओबीसी का डेलीगेशन उनसे मिलने आया था और उसी दौरान तमाम तरह की बातचीत के दौरान उमा भारती ने इस तरह के विवादित बयान दिए हैं। उन्होंने कहा कि ब्यूरोक्रेसी कुछ नहीं होती है। चप्पल उठाने वाली होती है हमारी। हम लोग ही राजी हो जाते हैं। क्योंकि हमें समझाया जाता है कि आपका बहुत बड़ा चक्कर पड़ जाएगा। उमा भारती ने कहा कि आपको क्या लगता है कि ब्यूरोक्रेसी नेता को घुमाती है। नहीं-नहीं, अकेले में बात हो जाती है पहले और फिर ब्यूरोक्रेसी फाइल बनाकर लाती है। 11 साल केंद्र में मंत्री और मुख्यमंत्री रही हूं। पहले आपस में बैठकर हमसे बात होती है फिर फाइल प्रोगरेस होती है।

वायरल वीडियो 18 सितंबर का बताया जा रहा है। उमा भारती के विवादित बयान सामने आने के बाद कांग्रेस पार्टी की ओर से राज्य के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से सवाल किया है। कांग्रेस पार्टी ने आलोचना करते हुए कहा है कि ब्यूरोक्रेट्स के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उमा भारती को अपने शब्द वापस लेने चाहिए।

माननीय सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी की अध्यक्षता एवं मा0 सांसद रमेश चंद्र बिंद फूलपुर सासंद की उपस्थिति में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सम्पन्न

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज।

माननीय सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सोमवार को संगम सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में मा0 सांसद श्रीमती केशरी देवी पटेल(सह अध्यक्ष) एवं भदोही सांसद श्री रमेश चन्द्र बिंद उपस्थित रहे। मा0 सांसदगणों द्वारा दिशा की पिछली बैठकों के एजेण्डों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए प्रकरणों पर की गयी कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया। मनरेगा के कार्यों की समीक्षा करते हुए मा0 सांसद ने कहा कि जॉब कार्डों में आ रही शिकायतों की जांच कराकर शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। मा0 सांसद भदोही द्वारा टी0ए0 हण्डिया की शिकायत किये जाने पर जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने निर्देश दिये कि सभी अधिकारीगण यह सुनिश्चित कर ले कि कोई भी कर्मचारी अपने ब्लाक या गांव में नहीं रहेगा, उसका स्थानांतरण सुनिश्चित करा लिया जाये। कौशल विकास की जमीन पर अवैध अतिक्रमण की शिकायत पर मा0 अध्यक्षा ने जानकारी ली, जिसपर जिलाधिकारी ने एसडीएम सहित अन्य सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को तलब किया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए मा0 अध्यक्षा ने चल रहे निर्माण कार्यों को कब तक पूर्ण करा लिया जायेगा, के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सम्बंधित अधिकारी से संसदीय क्षेत्र या विधान सभावार बन रही सड़कों की सूची उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। अधिशाषी अभियंता प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के द्वारा मा0 अध्यक्षा जी को बताया गया कि दिसम्बर माह तक चल रहे निर्माण कार्यों को पूरा करा लिया जायेगा, इसमें नई सूची में शामिल सड़कें भी शामिल है। मा0 सांसदगणों ने समाज कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि ब्लाकों पर कैम्प लगाकर पात्र लाभार्थियों को सरकार द्वारा संचालित पेंशन योजना से आच्छादित किया जाये। इसी क्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी की समीक्षा करते हुए जानकारी ली कि लक्ष्य के सापेक्ष कितने आवासों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जिस पर पीओ डूडा ने बताया कि दिसम्बर माह तक निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कार्य को पूरा कर लिया जायेगा। जिलाधिकारी ने आवास की सूची सभी मा0 जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने विधान सभावार उसको

अर्थ एवं संख्याधिकारी को उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है तथा अर्थ एवं संख्याधिकारी द्वारा सभी मा0 जनप्रतिनिधिगणों को उपलब्ध कराया जायेगा। इसी क्रम में मा0 सांसदगणों द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की भी समीक्षा की गयी। मा0 सांसदगणों द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ज्योति योजना की समीक्षा की गयी। मा0 विधायक फाफामऊ श्री विक्रमाजीत मौर्य ने बिजली बिलों में आ रही शिकायतों के बारे में कहा। इसी तरह मा0 विधायक कोरांव के द्वारा बिजली के ट्रांसफार्मर तथा गलत बिल जनरेट की शिकायत की गयी, जिसपर जिलाधिकारी ने अधीक्षण अभियंता विद्युत को मंगलवार को सुबह सभी सम्बंधित अधिकारी/कर्मचारियों के साथ बैठक करने का निर्देश दिये है।

ममता बनर्जी के खिलाफ मैदान में उतरे दुकानदार, अचार विक्रेता सहित 12 उम्मीदवार!

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनाव होने वाले है और सबकी नजरें भवानीपुर सीट पर टिकी हुई हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी चुनावी मैदान में उतर चुकी हैं। नंदीग्राम से सीट हारने के बाद ममता बनर्जी अब भवानीपुर सीट जीतने के लिए पूरा जोर लगा रही है। मुख्यमंत्री का पद बनाए रखने के लिए ममता का उप चुनाव जीतना काफी जरूरी है। ममता बनर्जी को चुनौती देने में न केवल भाजपा की उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल और माकपा के उम्मीदवार श्रीजीत विश्वास शामिल है बल्कि इस चुनाव को और दिलचस्प बनाने के लिए इसमें एक वित्तीय सलाहकार, एक योगा ट्रेनर, एक स्कूल प्रिंसिपल, अचार विक्रेता, स्टेशनरी दुकान का मालिक और स्वर्ण पदक विजेता शास्त्रीय संगीतकार सहित 12 उम्मीदवार शामिल है। बता दें कि ममता को चुनौती देने के लिए यह उम्मीदवार जोरों से तैयारी कर रहे है। इन उम्मीदवारों में 6 निर्दलीय शामिल है। 30 सितंबर को उपचुनाव होंगे और 3 अक्तूबर को चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

ममता के खिलाफ मनोरंजन के लिए लड़ रहे चुनाव!

नंदीग्राम में हार मिलने के बाद ममता बनर्जी काफी चर्चे में आ गई है। इस चुनावी लड़ाई में ममता के खिलाफ उतरें उम्मीदवार केवल मनोरंजन के लिए लड़ने का दावा कर रहे हैं। वहीं कुछ बदले की भावना से ममता के खिलाफ मैदान में लड़ने के लिए उतरें है। अचार विक्रेता और स्वयं सहायता समूह का प्रबंधन करने वाली रूमा नंदन ने बताया कि, ममता के खिलाफ प्रसिद्धि हासिल करने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं, इस चुनाव से सामाजिक कार्यों को जारी रखने में काफी मदद मिलेगी। वहीं उम्मीदवार सुब्रत बोस और मलय गुहा रॉय ने खुदा माना कि यह चुनाव केवल मनोरंजन के लिए लड़ा जा रहा है। वित्तीय सलाहकार सुब्रत बोस जिन्होंने नंदीग्राम में चुनाव लड़ा था और 77 वोट हासिल कर काफी लोकप्रियता हासिल की थी वहीं पर्यावरणविद्‌और शास्त्रीय संगीत में स्वर्ण पदक विजेता चंद्रचूर गोस्वामी भ्रष्टाचार और चुनाव के बाद हुई हिंसा के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

आगामी चुनावों में 'मुफ्त बिजली' होगा बड़ा मुद्दा, AAP के वादे के बाद सियासी दलों में बेचैनी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अगले 6 महीने में पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित है। जिन राज्यों में चुनाव होने हैं उनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा शामिल है। इन राज्यों में अब मुफ्त बिजली एक बड़ा मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है और इसकी वजह दिल्ली की सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी है। आम आदमी पार्टी ने मणिपुर छोड़कर बाकी राज्यों में चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इस ऐलान के साथ ही दिल्ली में अपने इस चुनाव जीत फार्मूले को इन राज्यों में भी आम आदमी पार्टी लगातार घोषणा कर रही है। चुनावी राज्यों में पार्टी की ओर से 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वायदा किया जा रहा है। पार्टी की ओर से अब तक उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और पंजाब में यह ऐलान किया जा चुका है। जिसके बाद माना जा रहा है कि अन्य दलों के लिए आम आदमी पार्टी द्वारा ऐलान किए गए मुफ्त बिजली के वादे को काउंटर करना मुश्किल साबित हो रहा है।

हालांकि उन पार्टियों के लिए राहत की बात है जो सरकार में नहीं हैं। लेकिन जो पार्टियां सरकार में हैं उनके लिए मुफ्त बिजली एक बड़ा मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है। इसमें किसी को शक नहीं होना चाहिए कि विधानसभा चुनाव में मुफ्त वाला ऐलान हमेशा पार्टियों के लिए प्रभावी और कारगर साबित होता रहा है।

उत्तराखंड

आम आदमी पार्टी की ओर से उत्तराखंड में 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा किया जा चुका है। इसके काट के लिए भाजपा शासित इस राज्य की सरकार को आनन-फानन में मुफ्त बिजली देने का वादा करना पड़ गया। उत्तराखंड सरकार ने राज्य में 100 यूनिट मुफ्त बिजली देने और 100 से 200 यूनिट तक खर्च करने वाले परिवारों को 50 प्रतिशत छूट देने का वादा कर दिया। कांग्रेस के हरीश रावत ने भी यह ऐलान कर दिया है कि राज्य में पार्टी की सरकार बनते ही 100 यूनिट बिजली मुफ्त में दी जाएगी और 1 साल बाद इसे 200 यूनिट कर दिया जाएगा।

पंजाब

पंजाब में भी आम आदमी पार्टी ने सभी परिवारों को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का वादा कर दिया है। आम आदमी पार्टी पंजाब में मजबूती से आगे बढ़ रही है। 2017 के चुनाव में भी पार्टी ने पंजाब में अच्छा प्रदर्शन किया था। कांग्रेस में जारी उथल-पुथल के बीच आम आदमी पार्टी को पंजाब में इस बार सत्ता का सबसे बड़ा दावेदार बताया जा रहा है। आम आदमी पार्टी के इस ऐलान के काट के तौर पर पंजाब के नवनियुक्त मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसानों के पानी और बिजली के बिल माफ करेंगे।

उत्तर प्रदेश और गोवा

उत्तर प्रदेश और गोवा में भी आम आदमी पार्टी की ओर से 300 मिनट में बिजली दिए जाने का वादा किया गया है। उत्तर प्रदेश में तो इस ऐलान के साथ ही खलबली मचनी शुरू हो गई। योगी सरकार ने अपना रिपोर्ट कार्ड तक जारी कर दिया। आप के ऐलान पर अखिलेश यादव ने कहा कि जितना काम बिजली के

लिए उनकी सरकार में हुआ, उतना किसी ने नहीं किया। जब वो सरकार में आएंगे तो गरीबों को, किसान को व्यापारी को सभी को बेहतर बिजली मिलेगी। दूसरी ओर गोवा के मुख्यमंत्री ने इस पर कहा कि यहां के लोग बहुत स्मार्ट है और वह इस झांसे में नहीं आएंगे। लेकिन उनकी प्रतिक्रिया यह बताने में काफी है कि इस ऐलान के बाद राज्य में चुनाव पर इसका क्या फर्क पड़ सकता है।

सार समाचार

काबुल में तालिबान की नीतियों के खिलाफ महिलाओं ने किया प्रदर्शन

काबुल। कई अफगान महिलाओं ने शिक्षा और काम के समान अधिकार की मांग करते हुए तालिबान की नीतियों के खिलाफ काबुल में विरोध प्रदर्शन किया। एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से इसकी जानकारी मिली है। खामा न्यूज की रिपोर्ट में कहा गया है कि 17 सितंबर को पूर्व सरकार के महिला मामलों के मंत्रालय को बंद करने के जवाब में रविवार का विरोध प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने मनुष्यों के बहिष्कार में महिलाओं का बहिष्कार, हमारी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी शक्ति का निष्कर्ष है और शिक्षा, कार्य और स्वतंत्रता विकास के रास्ते हैं जैसे नारे लगाए। मंत्रालय को बंद करने के संबंध में, तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने रविवार को कहा कि वे महिलाओं के लिए शरिया कानून के तहत एक शक्तिशाली और प्रभावी प्रशासन की स्थापना करेंगे, साथ ही यह भी कहा कि इसे मंत्रालय और उप नाम देने की कोई आवश्यकता नहीं है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, प्रवक्ता ने कहा था कि पूर्व मंत्रालय ने अफगान महिलाओं के जीवन की बेहतरी के लिए कुछ नहीं किया। मुजाहिद ने कहा कि मंत्रालय होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को उनके मूल अधिकार नहीं दिए गए।

पाकिस्तान में टीटीपी कमांडर मारा गया

इस्लामाबाद। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए अभियान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का एक प्रमुख आतंकवादी कमांडर मारा गया। सेना के बयान में सोमवार को यह जानकारी दी गई। समाचार एजेंसी ने सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के बयान के हवाले से कहा कि इलाके में आतंकवादी की मौजूदगी के संबंध में एक गुप्त सूचना पर ऑपरेशन चलाया गया था। बयान में कहा गया है, ऑपरेशन के दौरान टीटीपी आतंकवादी कमांडर सफीउल्लाह मारा गया। आतंकवादी सफीउल्लाह मीर अली से जुड़ा था और फरवरी 2021 में एक एनजीओ की चार महिलाओं की हत्या और नवंबर 2020 में फ्रंटियर वर्क्स ऑर्गनाइजेशन के इंजीनियरों की हत्या में शामिल था। आतंकवादी सुरक्षा बलों पर तात्कालिक विस्फोटक उपकरण हमलों, जबरन वसूली और फिरौती के लिए अपहरण की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में भी शामिल था। बयान में कहा गया है कि सुरक्षा बलों ने ऑपरेशन के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है।

इजरायल, मिस्र के वित्त मंत्री द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने पर सहमत

तेल अवीव। इजरायल के विदेश मंत्री यायर लापिड और उनके मिस्र के समकक्ष समेह शौकी ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने लैपिड के कार्यालय द्वारा जारी बयान के हवाले से कहा, रविवार को एक फोन कॉल के दौरान, दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच अच्छे संबंधों को बढ़ावा देने और संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और व्यापार और व्यावसायिक गतिविधि की क्षमता बढ़ाने की अपनी इच्छा की घोषणा की। उन्होंने गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए लैपिड की सुरक्षा के बदले अर्थव्यवस्था योजना पर भी चर्चा की, जिसे उन्होंने पिछले सप्ताह प्रस्तुत किया था। कॉल के दौरान, शौकरी ने इजरायल से अपने दशकों से चले आ रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए फिलिस्तीनी पक्ष के साथ शांति वार्ता को फिर से शुरू करने का भी आग्रह किया।

हूती विद्रोहियों ने यमन के नौ लोगों की हत्या की, यूएन, अमेरिका और ब्रिटेन ने की निंदा

सना (यमन)।संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और ब्रिटेन ने हूती विद्रोहियों द्वारा यमन के नौ लोगों की हत्या की रविवार को निंदा की। संगठन का कहना है कि ये लोग तीन साल से अधिक समय पहले सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के हवाई हमले में हूती के एक वरिष्ठ अधिकारी की हत्या में शामिल थे। विद्रोहियों के कब्जे वाली राजधानी सना में इन सभी नौ लोगों को सार्वजनिक तौर पर गोली मार दी गयी। ईरान समर्थक हूती विद्रोहियों ने बाद में इनकी तस्वीरें भी वितरित कीं। इस दौरान सैकड़ों लोग वहां मौजूद थे, जिनमें से अधिकतर हूती समर्थक थे। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि जिस कार्रवाई के तहत इन नौ लोगों की हत्या की गई वह '' निष्पक्ष '' नहीं थी। युक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि महासचिव ने उन हत्याओं को लेकर दुख व्यक्त किया है, जिसके कारण सना सहित पूरे यमन में आक्रोश है, जहां लोग आमतौर पर प्रतिशोध के डर से हूती समुदाय के लोगों की निंदा करने से बचते हैं। हूती की सर्वोच्च क्रांतिकारी परिषद के प्रमुख विद्रोही नेता मोहम्मद अली अल-हूती ने ट्वीट किया कि उन्होंने विद्रोही नियंत्रित न्यायपालिका के लिए संयुक्त राष्ट्र की चुनौती को खारिज कर दिया है। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, विद्रोहियों ने अप्रैल 2018 में सालेह अल-समद की हत्या के लिये 60 लोगों को आरोपी बनाया है, जिसमें ये नौ लोग शामिल थे।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम मॉरिसन के वोटर सपोर्ट 18 महीने के बाद घटे

कैनबरा। एक नए सर्वेक्षण से पता चला है कि ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन के लिए मतदाताओं का समर्थन 18 महीने में घटे हैं, जो कोरोनावायरस महामारी की शुरूआत के बाद से सबसे निचला स्तर है। समाचार एजेंसीकी सोमवार की रिपोर्ट के अनुसार, लेटेस्ट न्यूजपोल सर्वेक्षण के मुताबिक मॉरिसन के प्रदर्शन से संतुष्ट मतदाताओं का अनुपात अगस्त के अंत से तीन अंक गिरकर 46 प्रतिशत हो गया है। यह मॉरिसन से असंतुष्ट मतदाताओं की संख्या में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह मार्च 2020 के बाद से मॉरिसन की सबसे कम शुद्ध रेटिंग है और सितंबर 2020 में सकारात्मक माइनस 34 रेटिंग से बड़ी गिरावट है। अगस्त में, 50 प्रतिशत मतदाताओं ने मौजूदा मॉरिसन को अपने पसंदीदा प्रधान मंत्री के रूप में चुना, जबकि विपक्षी लेबर पार्टी के नेता एंथनी अल्बनीज के लिए 34 प्रतिशत की तुलना में ज्यादा है।

यूएनजीए में अफगानिस्तान के आर्थिक पहलू और जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने के लिए तैयार पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान अफगानिस्तान के संभावित आर्थिक पतन को रोकने के लिए तत्काल हस्तक्षेप के लिए संयुक्त राष्ट्र के आह्वान में शामिल होने के साथ-साथ भारत के खिलाफ कश्मीर विवाद को तेज करने के लिए कमर कस रहा है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान 24 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र को वर्चुअल तरीके से संबोधित करने वाले हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी न्यूयॉर्क में हैं और उनके विभिन्न देशों के अपने समकक्षों के साथ बैठकें करने की उम्मीद है। पाकिस्तान ने हाल ही में अपने विस्तृत केस स्टडी का प्रदर्शन किया और इसे जम्मू-कश्मीर में बिगड़ती स्थिति के बारे में एक नए डोजियर के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसमें वीडियो साक्षात्कार, इंटरसेप्टेड कॉल रिकॉर्डिंग और चित्र दिखाए गए हैं। इसने दावा किया गया है कि 5 अगस्त, 2019 से भारत की ओर से अवैध रूप से भारत अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर को भारत अधिकृत क्षेत्र मानता है) में मानवाधिकारों का कथित तौर पर निरंतर उल्लंघन किया जा रहा है। पाकिस्तान इस डोजियर में इन्हें कथित सबूत के रूप में पेश कर रहा है। उम्मीद है कि शुक्रवार को यूएनजीए में इमरान खान के संबोधन में भी इसे आगे लाया जाएगा और इसका उल्लेख किया जाएगा।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने खुलासा किया कि यूएनजीए में देश की प्राथमिकताएं होंगी-

- चुनौतीपूर्ण समय में स्वयं के आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना
- अवैध रूप से भारत अधिकृत जम्मू-कश्मीर के बारे में चिंताओं को उजागर करने के लिए
- स्थिरता, शांति, सुलह और अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार को सुनिश्चित करने के लिए अफगानिस्तान के लिए रणनीति
- पाकिस्तान द्वारा सामना की जा रही सुरक्षा चुनौतियों पर प्रकाश डालना, विशेषकर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के फिर से उभरने के संदर्भ में।

अकरम ने कहा, हम चाहते हैं कि दुनिया इस बात को समझे कि इस स्थिति से शांति और सुरक्षा को खतरा है। उन्होंने कहा, हमारी रणनीति अफगानिस्तान को स्थिर करने, शांति बहाल करने, सुलह को बढ़ावा देने, मानवीय मदद लाने और अफगान अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने की है। हम आतंकवाद, विशेष रूप से टीटीपी की गतिविधियों के मुद्दे को भी संबोधित करेंगे।

इसके अलावा, कुरैशी जम्मू एवं कश्मीर पर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के संपर्क समूह के साथ बैठक करेंगे। वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों और जलवायु संकट और ऊर्जा मुद्दों पर अन्य बैठकों में भी भाग लेंगे। पाकिस्तान अफगान मुद्दे पर इसकी ढहती अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए अफगानिस्तान के भंडार को तत्काल डी-फ्रीजिंग करने का आह्वान करेगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा, अफगानिस्तान में जो हुआ वह आतंकवादी समूहों या

अन्य विद्रोही आंदोलनों को और अधिक आक्रामक बनने के लिए प्रेरित कर सकता है। उन्होंने कहा, हम सभी चाहते हैं कि अफगानिस्तान में एक समावेशी सरकार हो और मानवाधिकारों, खासकर महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकारों का सम्मान हो और यह फिर कभी आतंकवादियों का केंद्र न बने।

तालिबान का झंडा फहराने पर लाल मस्जिद के मौलवी के खिलाफ मामला दर्ज

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में पुलिस ने इस्लामिक अमीरात ऑफ अफगानिस्तान (आईईए) का झंडा फहराने के लिए एक बेहद संवेदनशील मदरसा के प्रभावशाली कट्टरपंथी मौलवी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जाने-माने कट्टरपंथी मौलवी और तालिबान के मुखर समर्थक मौलाना अब्दुल अजीज ने इस्लामाबाद में महिलाओं के लिए एक धार्मिक स्कूल जामिया हफ्सा मदरसा पर तालिबान का झंडा फहराया।

जानकारी के अनुसार, मदरसे से झंडा हटाने से इनकार करने पर पुलिस ने अजीज के खिलाफ देशद्रोह और आतंकवाद का मामला दर्ज किया है। अधिक जानकारी से पता चला कि अजीज और उसके समर्थकों ने पुलिस को इमारत में प्रवेश करने से रोक दिया था। हालांकि बाद में राजधानी के उपायुक्त ने ट्वीट कर इस बात की पुष्टि की कि झंडा हटा दिया गया है, इलाके को खाली करा लिया गया है और मौलवी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। तालिबान के लिए अजीज का खुला समर्थन एक खुले रहस्य की तरह ही है, क्योंकि 2007 में अल-कायदा के साथ घनिष्ठ संबंध रखने और जामिया हफ्सा और लाल मस्जिद में एक विद्रोही समूह का नेतृत्व करने के लिए उन्हें दो साल की जेल की सजा दी गई थी।

2007 में एक बड़ा ऑपरेशन किया गया था, जिसमें अजीज के छोटे भाई समेत दर्जनों लोग मारे गए थे। अजीज तालिबान के खुले तौर पर समर्थक बने हुए हैं और उनकी ओर से देश में इस्लामिक शरिया प्रणाली लागू करने की मांग की जा रही है। तालिबान के साथ उनकी संबद्धता और आत्मीयता को इस तथ्य से अच्छी तरह से स्थापित किया जा सकता है कि लाल मस्जिद में एक पुस्तकालय का नाम मारे जा चुके अंतर्राष्ट्रीय आतंकी अलकायदा सुप्रीमो ओसामा बिन लादेन के नाम पर रखा गया है, जो उसे शहीद के रूप में सम्मान के तौर पर दिखाता है।

लाल मस्जिद 2007 के हमले के बाद से बंद है। हालांकि, अजीज अपनी मांगों और तालिबान के समर्थन के बारे में हमेशा से ही स्पष्ट रहे हैं। अजीज को अभी भी लोगों का व्यापक समर्थन प्राप्त है। हालांकि, 2007 के बाद से, उसे लाल मस्जिद में उपदेश देने की अनुमति नहीं दी गई है।

अजीज ने एक बयान में कहा, हमने पहले भी पाकिस्तान में इस्लामी शासन प्रणाली की स्थापना के लिए काम किया है और हम अपने प्रयास जारी रखेंगे। ताजा घटना ने उस समर्थन पर गंभीर चिंता जताई है जो अजीज जैसे मौलवी तालिबान को प्रदान करते हैं, क्योंकि उनके पास बड़े पैमाने पर अनुयायी हैं और अधिकांश हजारों छात्रों के साथ विशाल मदरसा चला रहे हैं।

इस साल अगस्त में अफगानिस्तान के तालिबान के अधिग्रहण को पाकिस्तान में कई लोगों से जश्न की प्रतिक्रिया मिली है। स्थानीय लोगों, मौलवियों और यहां तक कि कुछ राजनेताओं ने पड़ोसी देश के घटनाक्रम पर खुशी व्यक्त की है, जिसे वे नाटो और संयुक्त राज्य अमेरिका का एक बड़ा नुकसान कहते हैं। यह भावना और तालिबान के लिए एक अचिह्नित समर्थन, तालिबान समर्थक हंगामे या हमले की संभावनाओं का मुकाबला करने की चुनौती को पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के लिए और भी कठिन बना देता है।

परमाणु पनडुब्बी डील पर विवाद से गर्मायी राजनीति, जो बाइडेन से फोन पर बात करेंगे फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों

रोम (एजेंसी)।

न्यूयॉर्क। ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस के साथ पनडुब्बी निर्माण के करार को समाप्त कर अमेरिका से हाथ मिला लिया। जिसके बाद विवाद बढ़ गया। दरअसल, फ्रांस ने पिछले दिनों अमेरिका पर नाराजगी जताई थी। जिसके बाद अब अमेरिका और फ्रांस के बीच इस मसले को लेकर बातचीत हो सकती है।

अमेरिका और फ्रांस के बीच होगी बातचीत

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बातचीत करने की घोषणा की है। हालांकि बातचीत कब होगी, इसकी अभी कोई भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद चर्चा है कि इस बातचीत में इमैनुएल मैक्रों अपना विरोध दर्ज करा सकते हैं।

पिछले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस की कंपनी डीसीएनएस के साथ दुनिया की सबसे बड़ी पारंपरिक पनडुब्बियों में से 12 का निर्माण करने के अपने करार को समाप्त कर दिया था। आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलिया ने साल 2016 में फ्रांस के साथ करार किया था।

करार रद्द होने के बाद फ्रांस ने कहा था कि ऑस्ट्रेलिया ने उनकी पीठ में छुरा घोंपने जैसा काम किया है। वहीं अमेरिका को लेकर भी अपनी नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था कि जो बाइडेन प्रशासन पूर्ववर्ती ट्रंप सरकार की तरह ही हमारे रक्षा सौदों को खराब करने का काम कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस सरकार के प्रवक्ता गैब्रिएल अटाल का बयान सामने आया। जिसमें उन्होंने कहा कि जो बाइडेन की तरफ से फोन पर बातचीत करने का अनुरोध आया है। पहले सब लोग आक्रोशित थे लेकिन अब आगे बढ़ने का समय आ चुका है।

रूस की पर्म यूनिवर्सिटी में अंधाधुंध फायरिंग, 8 लोगों की मौत, हमलावर भी मारा गया

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

रूस की एक यूनिवर्सिटी में अचानक एक बंदूखधारी शख्स घुस गया और उसने वहां मौजूद लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी, इस घटना में 8 लोगों की मौत हो गयी। आरटी न्यूज ने बताया कि रूसी कानून प्रवर्तन ने सोमवार सुबह पर्म क्राय क्षेत्र में पर्म स्टेट यूनिवर्सिटी (पीएसयू) में एक बंदूकधारी चुपचाप घुस गया और उसने लोगों पर गोली चलानी शुरू कर दी। थोड़ी ही देर में बंदूकधारी को मार गिराया गया लेकिन तब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी थी। गोली से बचने के लिए छात्रों और टीचर्स ने खुद को कमरे में बंद कर लिया।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, एक अज्ञात व्यक्ति ने पीएसयू की एक इमारत में आग लगा दी। बंदूकधारी सुबह करीब 11 बजे विश्वविद्यालय में दाखिल हुआ और उसने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी कुछ ही देर बाद उसे पकड़ लिया गया। रूस की

TASS समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया, कुछ छात्रों ने हमलावर से छिपने के लिए विश्वविद्यालयों के सभागारों में खुद को बंद कर लिया। कुछ छात्र खिड़कियों से बाहर कूद गए।

सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में काले कपड़े पहने और हेलमेट पहने एक हथियारबंद व्यक्ति को धीरे-धीरे परिसर में घूमते हुए दिखाया गया है। रूस की जांच समिति, बड़े अपराधों की जांच करने वाली एजेंसी ने कहा कि बंदूकधारी की पहचान विश्वविद्यालय में 18 वर्षीय छात्र के रूप में की गई थी। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि वह घातक हथियारों से लैस था। क्षेत्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि घायलों में गोलीबारी और इमारत से भागने की कोशिश दोनों शामिल हैं।

पेट भरने के लिए अपना क़ीमती सामान बेचने के लिए सड़कों पर उतरे अफगानी

काबुल (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने के बाद वहां के लोगों का हाल-बेहाल हो गया है। गरीब और पैसे की किल्लत ने काबुल के लोगों का जीवन दुभर कर दिया है। अग्रेंजी अखबार टीओआई के मुताबिक, तालिबान के कब्जे ने कई नागरिकों को गंभीर गरीबी और बेरोजगारी की ओर धकेल दिया है। आर्थिक संकट से जूझ रहे कई अफगानों को पैसे कमाने के बदले अपना क़ीमती सामान बेचने के लिए सड़कों पर उतरने पर मजबूर होना पड़ रहा है।एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी या निजी क्षेत्र में काम करने वाले अफगानी रातों-रात बेरोजगार हो गए है।अपना पेट भरने के कारण लोग सस्ते दामों पर अपना सामान बेच रहे है।

काबुल के एक दुकानदार लाल गुल को अपना पेट भरने के लिए रेफ्रिजरेटर को उसकी मूल कीमत से आधी कीमत पर बेचना पड़ा रहा है। अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए लाल गुल ने बताया कि, 'मैंने अपनी वस्तुओं को उनके मूल्य से आधे से भी कम पर बेचा। मैंने 25,000 अफगानियों के लिए एक रेफ्रिजरेटर खरीदा और उसे 5,000 में बेच दिया। मुझे क्या करना है? मेरे बच्चों को रात में खाना चाहिए।' रेफ्रिजरेटर, टेलीविजन सेट, सोफा, अलमारी से लेकर हर दूसरे घरेलू फर्नीचर तक, काबुल की सड़को पर घरेलू समानों की कतारें देखने को मिल रही है। अपना और अपने परिवार का पेट पालने के लिए अफगानों को अपना सबकुछ बेचना पड़ रहा है। काबुल में एक पूर्व पुलिस अधिकारी मोहम्मद आगा काबुल के मार्केट में पिछले 10 दिनों से उसी बाजार में काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि, मुझे मेरा वेतन नहीं दिया। अब, मेरे पास नौकरी नहीं है। मैं क्या करू?' जानाकरी के लिए बता दें कि, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख टोनियो गुटेरेस ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से ध्वस्त होने से बचाने के लिए तालिबान के साथ जुड़ने का आह्वान किया।

पाकिस्तान में हिंदूओं पर नहीं थम रहा अत्याचार, मस्जिद से पानी लेने पर बनाया गया बंधक

इस्लामाबाद।(एजेंसी)।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक मस्जिद से पीने का पानी लेने के कारण एक गरीब हिंदू किसान परिवार मुश्किल में पड़ गया क्योंकि कुछ लोगों ने धार्मिक स्थल की ''पवित्रता का उल्लंघन'' करने के लिए उसे प्रताड़ित किया और बंधक बना लिया। मीडिया ने सोमवार को यह खबर दी। 'डॉन' अखबार के मुताबिक पंजाब के रहीमयार खान शहर के रहने वाले आलम राम भील अपनी पत्नी समेत परिवार के अन्य सदस्यों के साथ एक खेत में कपास उठाने का काम कर रहे थे।

भील ने कहा कि जब परिवार एक नल से पानी लेने के लिए पास की एक मस्जिद के बाहर गया तो कुछ स्थानीय जमींदारों ने उन्हें पीटा। जब परिवार कपास का काम कर घर लौट रहा था तो जमींदारों ने उन्हें उनके डेरा में बंधक बना लिया और मस्जिद की ''पवित्रता का उल्लंघन'' करने के लिए उन्हें प्रताड़ित किया। भील ने कहा कि पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया क्योंकि हमलावर, प्रधानमंत्री इमरान खान की सत्तारूढ़ पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के एक स्थानीय सांसद से जुड़े हैं। पुलिस की निष्क्रियता का विरोध करते हुए भील ने समुदाय के सदस्य पीटर जॉन भील के साथ थाने के बाहर धरना दिया। जिला शांति समिति के सदस्य पीटर ने कहा कि उन्होंने सत्तारूढ़ पीटीआई के विधायक जावेद वारियाच से संपर्क किया, जिन्होंने शुक्रवार को मामला दर्ज कराने में उनकी मदद की। अखबार के मुताबिक पीटर ने जिला शांति समिति के अन्य सदस्यों से इस मुद्दे पर एक आपात बैठक बुलाने का अनुरोध किया लेकिन उन्होंने मामले को गंभीरता से नहीं लिया। पीटीआई के दक्षिण पंजाब अल्पसंख्यक विंग के महासचिव युधिष्ठिर चौहान ने कहा कि घटना उनके संज्ञान में आई है लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद के प्रभाव के कारण उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया। जिला पुलिस अधिकारी असद सरफराज ने कहा कि वह मामले पर गौर कर रहे हैं।

उपायुक्त डॉ खुर्रम शहजाद ने कहा कि वह कोई भी कार्रवाई करने से पहले सोमवार को हिंदू समुदाय के बुजुर्गों से मिलेंगे। निष्क्रिय शांति समिति के बारे में पूछे जाने पर अधिकारी ने दावा किया कि यह पूरी तरह से काम कर रही है। एक वरिष्ठ वकील और पूर्व जिला बार

अध्यक्ष फारूक रिंद ने कहा कि वह भी बस्ती कहूर इलाके से ताल्लुक रखते हैं, जहां भील एक सदी से अधिक समय से रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि समुदाय के ज्यादातर सदस्य खेत में काम करने वाले और बेहद गरीब लोग हैं। रिंद ने कहा कि आरोपी जमींदार छोटे-मोटे मुद्दों पर अन्य ग्रामीणों के साथ लड़ाई करने के लिए कुख्यात है। अखबार में कहा गया है कि वकील ने शिकायतकर्ता परिवार को मुफ्त कानूनी सहायता का वादा किया। पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है। आधिकारिक अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान में 75 लाख हिंदू रहते हैं। समुदाय के अनुसार देश में 90 लाख से अधिक हिंदू रह रहे हैं।

संपादकीय

हे पुरुष

कविता

हे पुरुष,
मैंने कब कहा?
तुम अपने अधिकार मुझे दे दो ?
तलवार भाला तीर और बंदूक ,
अपने हाथों से,
उतार कर मेरे हाथ में दे दो ,
भेज दो मुझे
सरहद पर,
या रन क्षेत्र में मरने को ,
बलशाली ,हिम्मतवाली
जो भी कार्य तुम करते हो,
वो सारे कार्य ,स्वेच्छा से,
तुम मेरे सुपुर्द कर दो?
कब कहा मैंने ?
तुम अपने अधिकार मुझे दे दो?
मैं जानती हूं,
तुम बलशाली हो।
करते देश की रखवाली हो।
परिवार और समाज की ,
बागडोर तुमने थाम रखी है।
तुम ही कर्ताधर्ता हो।
तुम ही सर्वे सर्वा हो।
फिर क्या जरूरत पड़ी तुम्हें?
मेरे अधिकार हनन करने की?
कौन सा डर लगा तुम्हें ?
क्या तुम से आगे,
निकल जाऊंगी?
या तुम्हारे अधिकार हनन कर?
तुम्हें बंदी बनाऊंगी ?
जैसे तुमने मुझे बांध रखा है ??
वैसे ही तुम्हे,
बांध दूंगी??
या जैसे शासन करते हो मुझ ?
वैसे ही तुझ पर शासन जताऊंगी ?
अहंकार तुम्हारा आहार है?
जितना चाहे कर लो मनमानी ,
अहंकार तो अब टुटेगा?
बदलाव की एक बयार चली है?
अब मुझे कौन रोकेगा ।
तुम्हारा अधिकार हनन न करूंगी ।
न तुम्हें अपने अधिकार,
छिनने दूंगी।
अब न तुम्हारे अहंकार,
को पोषित करूंगी,
ना अपना सम्मान सहूंगी।
चलूंगी उतना साथ तुम्हारे ,
जितना तुम मेरे साथ चलोगे ।
तुम्हारे कार्य में,
मैं दखल ना दूंगी।
मैं भी हर सपना पूरा करूगी
तुम भी मुझे आजाद करोगे,
तुझे भी मैं ना रोकूगी
मैं अबला नही ,
कमजोर नही ,
अब सबला बनूंगी ,
स्त्री हूँ और स्त्री ही रहूंगी।

लेखिका: सुनीता कुमारी
पूर्णियाँ ,बिहार

बड़ी उपलब्धि

भारत ने पिछले शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर कोरोना विषाणु रोधी टीकाकरण अभियान में दो करोड़ 50 लाख 10 हजार से अधिक टीके लगाकर एक रिकॉर्ड बनाया। इसी के साथ चीन का एक दिन में दो करोड़ 47 लाख टीके लगाने का रिकॉर्ड ध्वस्त हो गया। निश्चित तौर पर इस महती उपलब्धि का श्रेय देश के चिकित्साकर्मियों और अन्य कोरोना योद्धाओं को जाता है। सबसे अधिक टीका लगाने वाले राज्यों में बिहार, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और गुजरात है। गौर करने वाली बात यह है कि ये सभी राज्य भाजपा और एनड़ीए शासित राज्य हैं। हालांकि गैर भाजपा शासित राज्यों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। राजनीतिक हलकों में यह माना जा रहा था कि कोरोना की दूसरी लहर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता कुछ कम हुई है। अगर ऐसा है तो यह कहा जा सकता है कि ड़ैमेज कंट्रोल के लिए भाजपा शासित राज्यों ने एक दिन में रिकॉर्ड़ टीकाकरण करने की रणनीति बनाई हो। दूसरी तरफपिछले दिनों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस तरह का संकेत दिया है कि दुनिया के लगभग सभी हिस्सों से कोरोना का प्रकोप कम हो रहा है। यह खबर निश्चित तौर पर राहत देने वाली है। ड़ेल्टा विषाणु से सबसे अधिक प्रभावित होने वाले भारत, ईरान, तुर्की और ब्रिटेन में भी मामले लगातार कम हो रहे हैं। कोरोना विषाणु के कमजोर पड़ने की मुख्य वजह कोरोना रोधी टीकाकरण अभियान को बताया जा रहा है। हाल ही में अमेरिका की एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई है, जिसमें यह बताया गया है कि टीका लेने वालों की तुलना में टीका नहीं लेने वालों को अस्पतालों में भर्ती होने का खतरा दस गुना ज्यादा है। इसका अर्थ यह हुआ कि कोरोना को रोकने का सबसे बड़ा हथियार टीकाकरण है। भारत के लिए अच्छी बात यह है कि यहां 20 प्रतिशत वयस्क आबादी को कोरोना रोधी टीके की दोनों खुराकें दी जा चुकीं हैं और 62 फीसद आबादी को कम-से-कम एक खुराक मिल चुकी है। चिंता की बात यह है कि कोरोना विषाणु का संक्रमण वहां ज्यादा पैर पसारता है जहां टीकाकरण नहीं हुआ है। इसलिए इन क्षेत्रों में टीकाकरण की रफ्तार को और तेज करना होगा।

परिधि/ राजीव मंड़ल

बंद का विकल्प क्या?

किसान बिल को लेकर एक बार फिर 'भारत बंद' का ऐलान किया है। बंद इसी महीने की 27 तारीख-सोमवार-को किया जाएगा यानी सप्ताह के पहले कार्यदिवस के दिन लाखों-करोड़ों लोग एक बार फिर बंद की मार झेलेंगे। आश्चर्य की बात यह है कि बंद के कारण हुए नुकसान को लेकर न तो किसी सरकार ने और न अदालत ने कभी हस्तक्षेप किया है। लाजिमी है कि यह चलन बदस्तूर है।

27 सितम्बर के बंद को अगर जोड़ दें तो किसान संगठनों ने पिछले साल से तीन बार-08 दिसम्बर, 2020 और 26 मार्च, 2021 को भी देशव्यापी बंद का आह्वान किया है। पिछले 36 महीनों में ही 6 बार भारत बंद की मांग उठी हैग जिस हिसाब से हर 6 महीने में 1 बार भारत बंद करने की बात आ ही जाती है। कभी पेट्रोल-डीजल के दाम तो कभी फिल्म की खिलाफत में भारत बंद की मांग उठी है। 2018 में दो बार-25 जनवरी और 10 सितम्बर, 2019 में 8 और 9 जनवरी, 2 अप्रैल और 6-7 सितम्बरग 2019 और 29 जनवरी, 2020 को भारत बंद का आह्वान कई संगठनों और राजनीतिक दलों ने अपनी बात मनवाने के लिए किया। हालांकि बंद कराने से आज तक किसी की मांग मान ली गई हो, ऐसा कोई सबूत नहीं दिखता। बंद से सबसे ज्यादा दुर्गति जनता की होती है। वह बेबस, बे-दम और लाचार दिखती है। लोग समय पर दफ्तर नहीं पहुंच पाते, सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान होता है, दिहाड़ी मजदूरों को काम नहीं मिल पता, मरीजों को अस्पताल पहुंचने में मुश्किल होती है, रेल यात्री जहां-तहां फंस जाते हैं.साफगोई से कहें तो जनता इसके पक्ष में बिल्कुल नहीं रहती। क्या सरकार देश भर को तय दिन के लिए पंगु बनाने वालों पर कार्रवाई करेगी? क्या अदालत ऐसे बंद को लेकर कोई वैकल्पिक उपाय सुझाएगी? विरोध जताने वाले भले दलील दें कि लोकतंत्र में हर किसी को विरोध का अधिकार होता है, मगर इससे देश को किस कदर नुकसान होता हैग यह किसी के समझ में नहीं आता। कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) के अनुमान के मुताबिक एक दिन के भारत बंद से अर्थव्यवस्था को करीब 25 से 30 हजार करोड़ का नुकसान होता है। भारत बंद के असर की भरपाई भी नहीं हो पाती क्योंकि जो होटल, रेल या बस सेवाएं एक दिन के लिए पूरी तरह ठप रहीं, वो उस दिन के नुकसान की भरपाई नहीं कर पातीं। उस दिन की कमाई चली जाती है, जिससे सरकार को मिलने वाला टैक्स भी चला जाता है। क्या कोई सोचेगा?

कैप्टन पर से उठे भरोसे के बाद

विनोद शर्मा

पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह जैसे कद्दावर और वरिष्ठ नेता से मुख्यमंत्री पद छीनते हुए कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को कोई गौरव हासिल नहीं हुआ है। कांग्रेस पार्टी ने पंजाब विधानसभा में भले ही अपनी विधायी ताकत को बरकरार रखा हो, लेकिन लोकप्रियता के पैमाने पर यह पार्टी कुछ पायदान नीचे जरूर उतर गई है। वैसे कोई भी ताउम्र मुख्यमंत्री बने रहने की ख्वाहिश नहीं रख सकता और कैप्टन अमरिंदर सिंह अब 79 साल के हो चुके हैं। उनके पास दो कार्यकालों में साढ़े नौ साल तक पंजाब की कमान रही है। कुछ समय पहले ही यह जाहिर हो गया था कि उन्हें अब नेहरू-गांधी परिवार का विश्वास और समर्थन हासिल नहीं है, मगर उनकी विदाई पर मुहर तब लगी, जब उन्हें अंधेरे में रखते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) ने चंडीगढ़ में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुला ली।

इस सियासी चाल में शामिल इशारा साफ और पुरजोर था। कैप्टन को बदलाव की गतिविधियों से बाहर रखा गया, ताकि उन्हें विधायकों के बीच समर्थन जुटाने के लिए समय न मिल सके। कैप्टन ने अपनी पार्टी द्वारा दिए गए इस घाव को उन तमाम घावों में सबसे निर्मम माना, जो पार्टी ने उन्हें नवजोत सिंह सिद्धू के साथ खींचतान की वजह से दिए हैं। कैप्टन की सलाह के खिलाफ जाकर ही नवजोत सिंह सिद्धू को कांग्रेस राज्य इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। मध्य रात्रि में कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाने का कदम एक तरह का तख्ता पलट ही था, जिसने इस बात की एकदम पुष्टि कर दी कि नेतृत्व का कैप्टन अमरिंदर सिंह पर से विश्वास उठ गया है। सभी मौजूदा संकेतों को देखकर यही लगता है कि वह नेतृत्व की योजनाओं के मोर्चे पर पार्टी के लिए गैर में तब्दील हो गए। यही वजह है कि वह कांग्रेस विधायक दल (जिसके वह नेता थे) में शर्मिंदा होने के बजाय मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा सौंपने के लिए राजभवन पहुंच गए। अखिल भारतीय कांग्रेस समिति किसी भी तरह के विरोध से बचना चाहती थी, इसलिए विधायकों को दिए गए निर्देश में साफ कर दिया गया था कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक के लिए पार्टी कार्यालय पहुंचते समय रास्ते में कहीं भी पड़ाव नहीं डालना है। यह संदेश इसलिए स्पष्ट रूप से दिया गया था, क्योंकि मुख्यमंत्री ने कथित तौर पर अपने फार्महाउस में बैठक बुला रखी थी। फिर भी राज्यपाल को इस्तीफा सौंपने जाने से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह से मंत्रियों और पार्टी सांसदों के अलावा दो दर्जन से अधिक विधायकों ने मुलाकात की। अलविदा कहते हुए, उन्होंने विधायकों से विधायक दल की बैठक में भाग लेने के लिए कहा। शायद इसी वजह से विधायक दल की बैठक में 80 विधायकों में से 78 की उपस्थिति दर्ज हुई और विधायक दल ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को राज्य में कैप्टन का उत्तराधिकारी चुनने के लिए अधिकृत कर दिया।

> पंजाब को नया नेतृत्व मिल गया, पर सवाल है कि कैप्टन अमरिदर सिंह की लोकप्रियता भले घट गई थी, क्या कोई हल नहीं निकल सकता था?

हमेशा नेहरू-गांधी परिवार के प्रति सम्मान का व्यवहार करने वाले कैप्टन ने उल्लेख किया है कि हाल के सप्ताहों में नई दिल्ली में जिन जांचों का उन्होंने सामना किया, उससे उन्हें 'अपमान' महसूस हुआ। उन्हें विधायक दल की बैठक के बारे में अंधेरे में रखकर मानो जले पर नमक छिड़का गया। पार्टी की आंतरिक उथल-पुथल के बीच, जो अक्सर खुलेआम हो जाती थी, कैप्टन अपने दोस्तों और सलाहकारों से कहते थे कि यदि नेतृत्व चाहे, तो वह सुलह के साथ पीछे हटने को तैयार हो जाएं। अपने फार्महाउस में सुशोभित चित्रों की ओर इशारा करते हुए वह कहते थे, सार्वजनिक जीवन में पांच दशक का अच्छा समय गुजारने के बाद मुझे कोई पछतावा नहीं है और संतुष्टि के साथ पीछे मुड़कर देखने के लिए बहुत कुछ है। अपने साथ हुए व्यवहार से परेशान होने के बावजूद कैप्टन ने नेहरू-गांधी परिवार को कभी बुरा-भला नहीं कहा। स्वर्गीय राजीव गांधी के साथ अपनी दोस्ती की यादों को ताजा करते हुए उन्होंने एक बार इस लेखक से कहा था, 'मैं सोनिया गांधी या उनके बच्चों के खिलाफ कभी नहीं जाऊंगा, जो मुझे अंकल कहते हैं।' मेरा आकलन है, यदि सोनिया गांधी सीधे इस्तीफा देने के लिए कहतीं, तो कैप्टन दे देते, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कैप्टन ने मुझे वे संदेश भी दिखाए थे, जो उन्होंने प्रियंका गांधी के साथ अपने विशाल फार्महाउस में लगे पौधों और फूलों की उत्तम किस्मों के बारे में साझा किए थे और कहा था, 'वह अपना जवाब देने में बहुत तेज हैं।'

ऐसे में, किसी को भी आश्चर्य हो सकता है कि आखिर संवाद की कड़ी कैसे टूटी, जिसका ऐसा दुखद परिणाम हुआ। कुछ मामलों में उनकी कार्यशैली की वजह से वांछित नतीजे नहीं मिले, जिससे भले ही लोगों और विधायकों के एक वर्ग के बीच उनकी लोकप्रियता घट गई थी, लेकिन समस्या हल के योग्य थी। अब यह धारणा कि उनके प्रमुख आलोचक नवजोत सिंह सिद्धू के हित में उन्हें बलिदान कर दिया गया है, कांग्रेस पार्टी की जमीन खराब कर सकती है। कम से कम विधानसभा चुनावों से पहले के बचे हुए समय में सिद्धू को मुख्यमंत्री के रूप में पेश नहीं करना चाहिए। गुस्सा शांत करने के लिए पंजाब के नए मुख्यमंत्री का किसी भी गुट से जुड़ाव नहीं होना चाहिए। कांग्रेस हाईकमान इसी कोशिश में दिखता है। जहां तक नवजोत सिंह सिद्धू का सवाल है, तो उनके साथ हमेशा से समस्याएं रही हैं। वह ऐसे नेता हैं, जो अपने ही नगाड़े पर मार्च करते हैं। वह लोक-लुभावन बोलने वाले नेता हैं, ऊर्जावान प्रचारक हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं के साथ मिलकर चलने और सरकार चलाने में वह कितने कामयाब होंगे, यह देखने वाली बात होगी। क्या सिद्धू में नेतृत्व की वह क्षमता है? क्या वह समावेशी नेतृत्व दे सकते हैं? लोग अभी भी याद करते हैं, क्रिकेटर सिद्धू क्रिकेट कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन से लड़कर टीम छोड़कर स्वदेश लौट आए थे। भाजपा में रहते हुए लोकसभा चुनाव में अरुण जेटली जैसे मजबूत नेता का प्रचार करने अमृतसर नहीं गए थे। बाद में लोकसभा चुनाव में सिद्धू को अमृतसर सीट पर जीत हासिल हुई, जिसमें मजीठा के लोगों के वोट का बड़ा योगदान था, तब सिद्धू ने कहा था, मैं अपनी चमड़ी का जूता बना दूं, तब भी मजीठा का कर्ज नहीं उतार सकता। वह इस तरह के अतिरेकी बयान के लिए भी जाने जाते हैं, अगर भविष्य में उन्हें मुख्यमंत्री बना भी दिया जाए, तो क्या वह पार्टी के लिए फायदेमंद नेतृत्वकर्ता साबित होंगे? यह एक बड़ा सवाल है, जिसका फैसला कांग्रेस नेतृत्व को किसी भी निर्णय से पहले करना पड़ेगा।

अंतर्मन

संबंधों की मौलिकता से जीवन में सहजता

दिनेश चमोला 'शैलेश'

भौतिकता की चकाचौंध ने जहां मनुष्य को अत्यंत सुविधाभोगी बना दिया है, वहीं संबंधों को विस्तार से दरकिनार कर नितांत करते मनुष्य को एकांतता के विचित्र लोक में भी ला खड़ा कर दिया है। इस एकांतवास ने न केवल उसमें दैहिक परिवर्तन किया है, बल्कि उसके चिंतन व नैसर्गिक अपनत्व के धरातल को भी बदल कर रख दिया है। वह भ्रम अथवा अज्ञानतावश ईश्वर के बाद स्वयं को सर्वोपरि सत्ता समझने लगा है, जिसने अनेक कोणों से उसके जीवन को बोझिल बना दिया है।

अज्ञानता व अहम की कृत्रिमता, मौलिकता के दिव्य लोक से भटका कर मनुष्य को उस नैराश्य के विस्मित वातावरण में ले जाने के लिए अभिशप्त करती है, जहां वह अपने अलावा दूसरे की शक्ति, संपन्नता, बौद्धिक कौशल, प्रतिभा एवं अन्य क्षेत्रों में स्वयं को सफलता के शिखर पर आरूढ़ हुआ समझता है। किंतु सत्य इसके एकदम विपरीत है।

मनुष्य प्राकृतिक संबंधों; प्राकृतिक संपदाओं के बेजोड़ व अनुपम लोक से मानसिक, बौद्धिक अथवा शारीरिक रूप में स्वयं को जितना दूर करता चला जाता है, वह अपने लिए कष्ट, आपदा एवं चिंतन की संकीर्णताओं के रूप में अनेक प्रकार की गहन वैचारिक खाइयों का निर्माण कर रहा होता है, जिससे उबरने अथवा उबारने की घट-जोड़ में वह स्वयं की संपूर्ण शक्ति, संपन्नता व वैभव का क्षरण कर देने लगता है लेकिन फिर भी हाथ कुछ नहीं लगता।

मां प्रकृति, सदैव अपने प्राकृतिक अवयवों के माध्यम से प्रकृति के समानांतर सुरुचिपूर्ण व्यवस्था में ढल जाने की नसीहत देती रहती है किंतु अहंकारी मनुष्य उसके प्राकृतिक व मूल्यपरक सैद्धांतिक अवसंरचना का उल्लंघन व अतिक्रमण करता रहता है, जिसकी समय आने पर उसे हजारों गुना कीमत चुकानी पड़ती है।

मानव को उसकी इस अथाह अज्ञानता और उद्दंडता का प्रतिफल मां प्रकृति, समय-समय पर दैहिक, दैविक, भौतिक तथा बौद्धिक झटके लगाने के रूप में दिया करती है। किंतु नितांत नासमझ और जिद्दी प्रकृति का मानव प्राकृतिक अवयवों को धता बताने की गहन हठधर्मिता से बाज नहीं आता। प्रकृति द्वारा निर्मित परंपराओं का उल्लंघन स्वयं के लिए न केवल कष्टकारी सिद्ध होता है बल्कि एक अभिशप्तता की अवस्था के अवसाद से भी उसे ग्रसित करता है।

एक समय था जब संबंध व संबंधी तथा संयुक्त परिवार प्राण, ऊर्जा, स्नेह, सौहार्द, अपनत्व, सम्मान, प्रतिष्ठा, बल, यश, शक्ति का पर्याय था, किंतु आज व्यक्ति इतना व्यष्टिपरक हो गया है कि संयुक्त परिवार का सारा विस्तार उसके 'मैं और मेरा एक' या फिर 'मैं और मेरे दो' में आकर सिमट गए हैं। मनुष्य स्वयं को पूर्व की अपेक्षा अधिक ज्ञानवान, अधिक विवेकपूर्ण, अधिक शक्तिशाली, अधिक संसाधनयुक्त, अधिक दक्ष-प्रवीण व चातुर्ययुक्त समझने लगा है, किंतु यह अंतिम सत्य नहीं है।

संबंधों की दुआओं की नैसर्गिक सीढ़ियां चढ़कर ही व्यक्ति जीवन की सफलताओं की मंजिल प्राप्त कर सकता है। इस प्रकार से मिली हुई उपलब्धियां शाश्वत, सनातन, सर्वग्राही व दीर्घजीवी भी होती हैं तथा टिकाऊ भी।

'मनुस्मृति' में उपाध्याय की तुलना में गुरु का दस गुना, गुरु की अपेक्षा पिता का सौ गुना तथा पिता की अपेक्षा माता के गौरव का उल्लेख किया गया है -

'उपाध्यायांदशाचार्य आचार्याणाम शतं पिता।
सहस्रन्तु पितृन्माता गौरवेणातिरिच्यते॥'

(मनुस्मृति; 2/145)

जो इस प्रदत्त संबंधों की वरिष्ठता, गरिमा का अनुकरण व अनुसरण करता है, वह सदैव देवीय अनुकंपा का सतपात्र होता है जो इन संबंधों की नैसर्गिकता, वरिष्ठता एवं उत्तमता की उपेक्षा करता है, वह सब कुछ होने व पाने के बावजूद भी अंतर्मन से सदैव क्षुब्ध रहने के लिए अभिशप्त होता है। इसका वर्णन स्वयं विमाता कैकेयी भी अपने पुत्र लक्ष्मण से वनगमन के समय करती है कि गुरु, माता, पिता, भाई, देवता व स्वामी की सेवा प्राणपण से की जानी चाहिए तभी व्यक्ति अपने क्षेत्र में दक्षता अर्जित कर सकता है। इसी बात को 'रामचरितमानस' में संत तुलसीदास इस तरह लिखते हैं -

'गुरु पितु मातु बंधु सुत सांई।
सेइअहिं सकल प्रान की नाईं॥'

(रामचरितमानस; 2/74/5)

परिवार में ज्येष्ठ भ्राता भी पिता के समतुल्य पूज्य होता है। इसका सुंदर वर्णन संत तुलसी, प्रभु श्रीराम के मुखारविंद से उस क्षण करवाते हैं जब वे माता कैकेयी से वन जाते समय, अपने माता-पिता व अग्रजों के वचनों व आज्ञा का पालन करने वाले पुत्र को श्रेष्ठतम बताते हुए कहते हैं -

'सुनु जननी सोई सुत बड़भागी।
जो पितु मातु बचन अनुरागी॥'

(रामचरितमानस; 2/41/7)

अत: सूत्र रूप में यह स्वयंसिद्ध है कि जीवन में संबंधों की मौलिकता ही उपलब्धियों के विस्तार में प्राणों का संचार करने में सक्षम है अन्यथा जीवन-बेल कभी भी असमय कुम्हलाने के लिए विवश हो सकती है।

लॉन टेनिस

एमा के चैंपियन बनने के मायने

मनोज चतुर्वेदी

साल के आखिरी ग्रैंड़ स्लैम टूर्नामेंट यूएस ओपन में इस बार अप्रत्याशित परिणाम सामने आए। महिला सिंगल्स में एमा रादुकानू के रूप में ऐसी चैंपियन बनीं, जिसके बारे में किसी ने क्या खुद उन्होंने भी नहीं सोचा था। पुरुष सिंगल्स में सभी विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच के जीतने और 1969 में रोड़ लेवर के बाद कैलेंड़र ग्रैंड़ स्लैम करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की उम्मीद कर रहे थे लेकिन रूसी खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव ने जोकोविच की उम्मीदों को पानी फेरते हुए पहला ग्रैंड़ स्लैम अपने नाम किया।

एमा के जीतने से एक बात साफ हो गई कि महिला सिंगल्स में यंग ब्रिगेड़ दबदबा बनाने में सफल हो गई है। ब्रिटेन की 18 वर्षीय एमा रादुकानू ने फाइनल में अपने से मात्र एक साल बड़ी 19 वर्षीय कनाड़ा की लैला फर्नांड़िज को हराया। वह क्वालिफायर से आगे बढ़ते हुए चैंपियन बनने वाली पहली खिलाड़ी हैं। अपने दूसरे ही ग्रैंड़ स्लैम टूर्नामेंट में खिताब जीतने वाली भी पहली खिलाड़ी हैं। इससे पहले क्रिस एवर्ट और वीनस ने अपने तीसरे ग्रैंड़ स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में तो स्थान बना लिया था पर खिताब नहीं जीत सकी थीं। वह यूएस ओपन खिताब जीतने वाली ब्रिटेन की 53 साल में पहली खिलाड़ी हैं। इससे पहले वर्जीनिया वेड़ ने 1968 में यह खिताब जीता था। वेड़ 1977 में विम्बलड़न खिताब जीतकर ब्रिटेन की ग्रैंड़ स्लैम खिताब जीतने वाली आखिरी खिलाड़ी थीं। पर एमा सबसे कम उम्र में ग्रैंड़ स्लैम खिताब जीतने वाली खिलाड़ी नहीं हैंग क्योंकि मारिया शारापोवा ने मात्र 17 साल की उम्र में विम्बलड़न के रूप में ग्रैंड़ स्लैम जीता था।

एमा के दबदबे वाले खेल का अंदाजा इससे लगा सकते हैं कि उन्होंने क्वालिफाइंग दौर के तीन मैचों सहित कुल 10 मैच खेले और एक भी सेट नहीं गंवाया। एमा को खुद भी इतने आगे जाने का भरोसा नहीं था, इसलिए उन्होंने क्वालिफाइंग दौर के बाद लौटने का अपना रिजर्वेशन करा लिया था। उन्होंने इस साल पहली बार ग्रैंड़ स्लैम टूर्नामेंट के रूप में विम्बलड़न में भाग लिया था और चौथे राउंड़ में सांस लेने में दिक्कत होने की वजह से मुकाबला छोड़ दिया था। उस समय जॉन मैकनरो सहित कुछ खिलाड़ियों को लगा था कि उनमें चैंपियनों वाली बात नहीं है। लेकिन उन्होंने इस सोच को फ्लशिंग मीड़ो में बदल कर रख दिया। पूर्व टेनिस खिलाड़ी जो डुराई एमा को 10 साल की जब थी, तब से देख रही हैं। कहती हैं कि तकनीकी रूप से वह मजबूत खिलाड़ी हैं, उनमें अगली स्टेफी ग्राफ बनने का माद्दा है। कहा जा रहा है कि महिला टेनिस को सेरेना विलियम्स के बाद एक चेहरे की जरूरत थी, जो उसे एमा के रूप में मिल गया है। एमा का जन्म टारंटो में हुआ। उनके पिता इयान रोमानियाई और माता रिनी चीन से हैं। एमा जब दो साल की थीं, तब उनका परिवार कनाड़ा से ब्रिटेन आकर रहने लगा। सच है कि एमा की मां की चली होती तो दुनिया को आज एमा चैंपियन टेनिस खिलाड़ी के तौर पर नहीं दिखतीं। वजह यह कि मां चाहती थीं कि वह बेले ड़ांसर बनें।

लेकिन पिता सहमत नहीं थे क्योंकि वह इन्हें खिलाड़ी बनाना चाहते थे और उन्होंने उसे ब्रोंबले टेनिस सेंटर में दस साल की उम्र में टेनिस सिखवाना शुरू कर दिया। एमा जितनी अच्छी टेनिस खिलाड़ी हैं, उतनी ही अच्छी पढ़ाई में भी हैं।

जोकोविच की यहां तक बात हैग तो वह फाइनल में कैलेंड़र ग्रैंड़ स्लैम करने के इरादे से उतरे थे। यदि यह खिताब जीत लेते तो रोजर फेड़रर और राफेल नड़ाल को पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा ग्रैंड़ स्लैम खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन सकते थे क्योंकि यह उनका 21वां ग्रैंड़ स्लैम खिताब होता। अभी तीनों के पास 20-20 खिताब हैं। यूएस ओपन खिताब पर पिछले साल ड़ोमिनिक थिएम ने कब्जा जमाया था पर वह अपनी ही पीढ़ी के ज्वेरेव को हराकर चैंपियन बने थे। पर मेदवेदेव बिग थ्री खिलाड़ी को हराकर चैंपियन बनने वाले पहले खिलाड़ी हैं।

इसे क्या हम बिग थ्री यानी रोजर फेड़ररग राफेल नड़ाल और जोकोविच का अस्त होना मान सकते हैं। इस साल के आखिरी ग्रैंड़ स्लैम टूर्नामेंट में फेड़रर और नड़ाल खेले नहीं थे और जोकोविच खेलकर भी चैंपियन नहीं बन पाए। फिर भी इसके लिए एक साल और देखने की जरूरत पड़ेगी। अगले साल बिग थ्री में शामिल तीनों खिलाड़ी खेलते नजर आ सकते हैं। उस स्थिति में यंग ब्रिगेड़ तीन ग्रैंड़ स्लैम खिताब भी जीत सके तब लगेगा कि महिला वर्ग की तरह ही पुरुष वर्ग में यंग ब्रिगेड़ का जमाना आ गया है। सही है कि ड़ोमिनिक थिएम, ज्वेरेव, सिपसिपाच और दानिल मेदवेदेव ने छाप छोड़नी तो शुरू कर दी है, इसलिए संभव है कि आने वाला साल इन युवा खिलाड़ियों के लिए नई रोशनी लेकर आए और बिग थ्री के जमाने पर ब्रेक लग जाए।

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं?

क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

हिन्दू धर्म के सबसे बड़े त्योहार दीपावली के लिए कई दिन पहले से घर में साफ–सफाई और रंग–रोगन का दौर शुरू हो जाता है। घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज–सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं ।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

क्या है बच्चों की मालिश का परफेक्ट तरीका

कोरोनाकाल में घर से लेकर ऑफिस तक के काम का दबाव बढ़ गया है। ऐसे में रात में बच्चों को सुलाने में मशक्कत करनी पड़े तो मन में खीज पैदा होना लाजिमी है। अगर काफी देर तक घुमाने-टहलाने और लोरी सुनाने के बाद भी आपके लाडले की आंखों में नींद नहीं भरती तो परेशान मत होइए। लंदन के मशहूर मसाज विशेषज्ञ ने मालिश की ऐसी विधि सुझाई है, जिससे आपका बच्चा मिनटों में नींद के आगोश में चला जाएगा।

मां–बाप की मशक्कत

- मां–बाप को बच्चे के जन्म के शुरुआती एक साल में 04 घंटे 44 मिनट की औसत नींद मिलती है
- 50 रातों की नींद गंवाने के बराबर है यह आंकड़ा, स्वस्थ वयस्कों को आठ घंटे रोजाना सोना चाहिए
- 54 मिनट औसतन रोजाना बच्चे को सुलाने में लगते हैं, तीन बार औसतन रात में उठता है बच्चा
- 02 मील रोजाना चलना–फिरना होता है मां–बाप का बच्चे को बहलाने, फुसलाने, सुलाने की प्रक्रिया में।

पूरे शरीर में लगाएं तेल

- सरसों, नारियल या जैतून का तेल लें, सिर से लेकर पांव तक हल्के हाथों से हर एक अंग में लगाएं
- अब ऊपर से नीचे की तरफ धीमी गति से हाथ फिराते हुए 10 से 15 मिनट तक बच्चे की मालिश करें

बातों में उलझाए रखें

- साज करते समय चेहरे पर मुस्कराहट जरूर बनाए रखें
- बच्चे से धीमे स्वर और तुतलाती भाषा में प्यार–भरी बातें करें
- तेज मालिश करने से बचें, बच्चा रोए तो उस पर चिल्लाएं नहीं

खास जगहों पर मसाज जरूरी

- नाक का ऊपरी हिस्सा – दोनों भौहों के बीच नाक के शुरुआती हिस्से पर अंगूठे और तर्जनी उंगली से हल्की मालिश करें। बच्चे का मन शांत करने में मदद मिलती है।
- हथेली – दोनों हथेलियों पर धीमे–धीमे से हाथ फिराएं। पांचों उंगलियों के बीच के स्थान पर कम से कम 30 सेकेंड तक हल्की मसाज दें। दांत दर्द की समस्या दूर होगी।
- पेट – दर्द, गैस, कब्ज की समस्या से राहत दिलाने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए पेट पर बाईं से दाईं ओर गोलाई में हल्के हाथ से पांच मिनट तक मसाज करें।
- पंजे – अंत में बच्चे के दोनों पैरों के पंजे अपने हाथों में लें। अब पंजे के बीच के हिस्से को अंगुठे से 10 से 15 सेकेंड के लिए दबाएं। उसका मस्तिष्क पूरी तरह से शांत हो जाएगा।

मन शांत करने में मददगार

- हल्के हाथों की मालिश लव हार्मोन 'ऑक्सिटोसिन' का स्तर बढ़ाने के साथ ही स्ट्रेस हार्मोन 'कॉर्टिसोल' का उत्पादन घटाने में कारगर
- इससे बच्चे के मस्तिष्क में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा के शांत पड़ने से तन–मन को सुकून महसूस होता है, शरीर में सुस्ती भी छाती है

गुनगुना दूध पिलाना भी फायदेमंद

- सोने–जगने का समय तय करें, उसे रोज अमल में भी लाएं
- रात में बिस्तर पर आने के बाद बच्चे को गुनगुना दूध पिलाएं
- कमरा हल्का ठंडा रखें, मुलायम गद्दे पर सुलाएं, लोरी सुनाएं

...तो रिश्ता हो जाएगा मजबूत

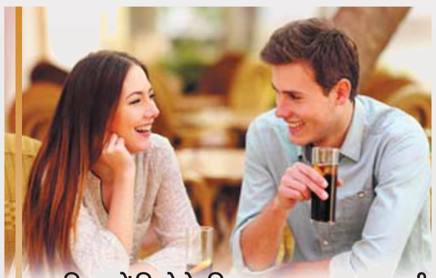

दुनिया में रिश्ते के बिना प्यार का अहसास ही नहीं हो सकता। रिश्ता चाहे कोई भी हो खास होता है। इसे निभाने के लिए शुरुआत भी अलग तरीके की होना चाहिए। फिर चाहे वो दोस्ती हो या फिर रिश्तेदारी।

खुशियों का अहसास अपनो से ही होता है। इसे हमेशा के लिए गहरा करने के लिए कुछ खास बातों की तरफ ध्यान देना बहुत जरूरी है ताकि आने वाला हर पल हसीन रहे। अगर किसी कारण रिश्तों में गलतफहमियां आ भी जाए तो एक दूसरे पर यकीन इतना गहरा हो कि कोई दूसरा आपमें अपनी जगह बना न सके। लेकिन इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है ताकि प्यार से संजो कर रखा गया यह रिश्ता जिंदगी की जरूरत बन जाए।

एक दूसरे को जानना जरूरी

आप किसी से प्यार करते हैं तो इसके लिए एक बात को जान लेना बहुत जरूरी है आपको उसकी आदतों के बारे में जानना होगा। इससे आप खुद को और अपने बढ़ते रिलेशनशिप को कुछ समय दे पाएंगे। जो भविष्य में आपके लिए परेशानी नहीं बनेगा।

रिलेशनशिप से बनें पहचान

दोस्ती को आगे बढ़ाने के लिए कुछ बातों को समझना बहुत जरूरी है। जैसे दोस्ती इस तरह की हो जो आपकी पहचान बनें। इस बात का ध्यान रखें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि आप दोस्ती में खोते जा रहे हैं। यह बदलाव आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

कभी शक भी जायज

जहां यकीन है वहां शक होना भी कभी कभी जायज होता है। पार्टनर पर जरूरत से भी ज्यादा यकीन कर लेने से भी कई बार रिश्ता खराब होने का डर रहता है। थोड़ा बहुत शक करना या फिर पजेसिव होने से पार्टनर को भी पता चलता है कि आप उनके लिए कितने जरूरी हैं।

एक–दूसरे को दें वक्त

एक–दूसरे के साथ समय बिता कर उसके बारे में बहुत कुछ जानने को मिलता है। कई बार ज्यादा देर तक बनाई गई दूरी भी रिश्ते में खट्टास पैदा कर सकती है। ऐसे में समय की कमी के कारण अगर पार्टनर के साथ नराजगी है तो एक–दूसरे को समय जरूर दें। कहीं न कहीं आपके रिश्ते में मजबूती आनी शुरू हो जाएगी। कोशिश करें एक– दूसरे के साथ समय बिताएं।

बढ़ते बचपन के साथ व्यावहारिक समझ विकसित करती हैं बेटियां

बेटियां कैसे अपने बढ़ते बचपन के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियों और व्यावहारिक समझ को विकसित करती हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है एक पिता के द्वारा लिखा गया ये लेख।

सिर्फ ग्यारह साल की है मेरी बिटिया। पांचवी में पढ़ती है। यूनिटरी फैमिली में एक बच्चे को क्या–क्या झेलना पड़ता है, इसका ज्वलंत उदाहरण है वह। मैं और मेरी पत्नी दोनों ही कामकाजी हैं। हमने खुद से जद्दोजहद करते, बिना किसी के सपोर्ट के जीवन जीना सीखा है और परिवार के बुजुर्गों की परवरिश से दूर मेरी बेटी ने भी खुद ही सबकुछ सीख लिया। जब वह डेढ़ साल की थी, तभी से मछली का कांटा निकाल कर खुद खाती थी। हम कामकाज में व्यस्त रहते और वह कांटा निकालने की तरकीब ढूंढ़ती रहती। यह उसने अंतत: सीख ही लिया। किसी दिन उसकी मां को एक्जाम ड्यूटी के लिए रविवार के दिन सुबह आठ बजे ही निकलना होता। कभी–कभी मुझे भी कालेज में कक्षाएं लेने पत्नी के साथ ही आठ बजे निकलना होता है। उस वक्त बेटी की आंखों में यह सवाल होता है कि तुम दोनों शाम तक लौटोगे, तो मैं दिनभर क्या करूंगी, अकेली कैसे रहूंगी। पर वह बोलती कुछ नहीं। उसकी आंखों में हठात एक सूनापन सा आता है और आकर चला जाता है। वह तपाक से कहती है। तुमलोग जाओ। दरवाजे में बाहर से ताला लगा देना। मैं अंदर से कुंडी बंद कर दूंगी और टीवी देखती रहूंगी। ऐसा कई बार हुआ है कि हम दोनों आठ–दस घंटे बाहर होते हैं और बेटी ने दिनभर टीवी देखते हुए, बाहर से ताला लगे बंद कमरे में खुद को अकेली बिताया है। जाते वक्त हम उसका खाना, बिस्किट वगैरह रख देते हैं। हिदायत देते हैं– बेटा आग के पास मत जाना, गैस मत खोलना। बिजली कट जाये, तो बिजली आने का इंतजार करना–माचिस मत जलाना। बेटी ठीक वैसा ही करती है। आज तक उसने वैसा ही किया है। यह सिलसिला पिछले चार–पांच सालों से चल रहा है। जब वह पांच–छह साल की थी, तब से। हम दिनभर अपने काम के साथ बेटी की चिंताओं में घुलते रहते हैं कि पता नहीं वह कैसी होगी। शाम को जब दरवाजे का ताला आकर खोलते हैं, तो कभी वह अपना होंमवर्क कर रही होती है। उसने घर के अंदर, बंद ताले में खुद को सेफ रखने के लिए सभी उपाय सीख लिए हैं। जैसे ही वह बाहर कोई आहट सुनती है, टीवी धीमा कर देती है। कोई आवाज नहीं निकालती। वह धीरे–धीरे बड़ी हो रही है। फिजिकली। मेंटली वह समय से पहले ही बड़ी हो गयी है। यह सब उसे कुछ हमने सिखाया है, तो कुछ परिस्थितियों ने। अपनी कई मुश्किलें वह अपनी मां के साथ शेयर करती है, तो लगता है कि इसने अपना बचपना थोड़ा खोया, थोड़ा झटका है। महज ग्यारह साल की उम्र में उसे परिस्थितियों ने परिपक्व बना दिया है। पर, वह अकेली बिटिया है। उसे जीना इसी समाज में है।

वॉर्डरोब में नए–पुराने कपड़ों को इस तरह से करें टिमअप और रखें वॉर्डरोब को अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। वक्त है, कोरोना काल का जिसमें सोशल डिस्टेंसिग का हम सभी पालन कर रहे है। जिस वजह से हम अपना ज्यादातर समय घर पर ही बिता रहे है। तो क्यों न इस समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1–2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिटेंड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉटर्स अलनारी में है तो फिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉटर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- ए लाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।

वॉर्डरोब में इन बातों का रखें ख्याल

- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का ळभी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोर्ट्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग–अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैंगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

हुआवे अक्टूबर में मेट 50 लॉन्च करेगा - रिपोर्ट

बीजिंग। डीएससीसी (डिस्प्ले सप्लाई चेन कंसल्टेंट्स) के एक वरिष्ठ विशेषज्ञ ने दावा किया है कि हुआवे अक्टूबर में किसी समय मेट सीरीज फ्लैगशिप लॉन्च करने की योजना बना रहा है। गिज्मो चाइना की रिपोर्ट के अनुसार, आधिकारिक तौर पर ऑस्ट्रिया के विएना में 21 अक्टूबर को एक वैश्विक लॉन्च इवेंट होने वाला है। और मेट 50 सीरीज वियना इवेंट के लिए उत्पाद लाइनअप का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, हुआवे ने अभी तक किसी भी आधिकारिक पुष्टि का खुलासा नहीं किया है कि 21 अक्टूबर को होने वाले वैश्विक कार्यक्रम में मेट 50 का लॉन्च होगा। यह इवेंट चीन के बाहर पी50 सीरीज का ग्लोबल लॉन्च भी हो सकता है। हुआवे कथित तौर पर ट्रिपल फोल्ड डिस्प्ले वाले वाइल्ड मेट फोल्डेबल स्मार्टफोन पर भी काम कर रहा है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन के साथ दायर एक पेटेंट से पता चला है कि आगामी हुआवेई डिवाइस कुछ हद तक सैमसंग जेड फ्लेक्स के समान है जिसे पिछले महीने प्रदर्शित किया गया था। जारी किया गया 41-पृष्ठ दस्तावेज डिवाइस के लिए ब्लूप्रिंट दिखाता है जो कुल सात स्क्रीन भागों को दिखाता है।

ओप्पो ए 16 5,000 एमएएच बैटरी और एआई ट्रिपल कैमरा सेटअप के साथ भारत में हुआ लॉन्च

नई दिल्ली। ओप्पो ने सोमवार को अपना नया स्मार्टफोन ओप्पो ए 16 भारत में पिछले साल लॉन्च किया। स्मार्टफोन वाई-फाई और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के समर्थन के साथ 5,000एमएएच की बैटरी के साथ आता है। वायर्ड ईयरफोन के दीवानों के लिए हेडफोन जैक भी है। ओप्पो ए 16में 4जीबी रैम प्लस 64जीबी इंटरनल स्टोरेज वाले मॉडल की कीमत 13,990 रुपये है। फोन क्रिस्टल ब्लैक और पर्ल ब्लू रंग विकल्पों में आता है। ओप्पो प्रमुख बैंक कार्ड यानी एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, फेडरल बैंक, बीओबी पर 750 रुपये तक का कैशबैक दे रहा है। इसके अलावा, आप बजाज फिनसर्व, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एचडीबी फाइनेंशियल, टीवीएस क्रेडिट फाइनेंस, होम क्रेडिट और महिंद्रा फाइनेंस जैसे फाइनेंसरों से आसान ईएमआई विकल्पों का लाभ उठा सकते हैं। ग्राहक इसे पेटीएम से खरीदकर 1,500 रुपये तक के तत्काल कैशबैक का भी आनंद ले सकते हैं। विनिदेशरें के संदर्भ में, ओप्पो ए 16 में 6.5 इंच का आईपीएस एलसीडी डिस्प्ले है, जिसका रिजॉल्यूशन 1,600 एक्स 720 पिक्सल, 71 प्रतिशत एनटीएससी रंग सरगम, 480 एनआईटी चमक और 60 हट्र्ज की एक मानक स्क्रीन ताजा दर है। हुड के तहत, डिवाइस में मीडियाटेक मीडियाटेक हेलीओ जी 35 प्रोसेसर है, जो 4जीबी रैम प्लस 128जीबी नेटिव स्टोरेज के साथ है। स्मार्टफोन में एक माइक्रोएसडी कार्ड स्लॉट भी है जिससे आप स्टोरेज को और बढ़ा सकते हैं। डिवाइस डुअल-कैमरा सेटअप के साथ आता है। 13एमपी का प्राइमरी सेंसर है जो 2एमपी सेकेंडरी सेंसर के साथ है। यह आउट ऑफ द बॉक्स एंड्रॉयड 11 पर आधारित कलर ओएस 11.1 पर चलेगा। स्मार्टफोन वाई-फाई और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के समर्थन के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी के साथ आता है। वायर्ड ईयरफोन के दीवानों के लिए हेडफोन जैक भी है।

12 अक्टूबर से शुरू होंगी 2022-23 बजट की तैयारियां

नई दिल्ली :

कोविड-19 महामारी से प्रभावित भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेतों के बीच वित्त मंत्रालय 2022-23 के लिए वार्षिक बजट 12 अक्टूबर से तैयार करने की कवायद शुरू करेगा। अगले वर्ष के बजट में मांग सृजन, रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को निरंतर आठ प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि के रास्ते पर रखने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान देना होगा। यह 2019 में दूसरी बार मोदी सरकार बनने के बाद केन्द्र सरकार का चौथा बजट और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी चौथा बजट होगा। आर्थिक मामलों के विभाग के बजट प्रभाग के 16 सितंबर, 2021 की तारीख वाले बजट सर्कुलर (2022-23) के अनुसार, ÷बजट पूर्व/आरई (संशोधित अनुमान) बैठकें 12 अक्टूबर, 2020 से शुरू होंगी।÷ सर्कुलर के अनुसार, ÷सभी वित्तीय सलाहकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परिशिष्ट एक से सात में निहित इन बैठकों से संबंधित जरूरी विवरण यूबीआईएस (केंद्रीय बजट सूचना प्रणाली) के आरई मॉड्यूल में दर्ज किए गए हैं।÷ व्यय सचिव द्वारा अन्य सचिवों और वित्तीय सलाहकारों के साथ चर्चा पूरी करने के बाद 2022-23 के बजट अनुमानों (बीई) को अस्थायी तौर पर अंतिम रूप दिया जाएगा। सर्कुलर में कहा गया कि बजट पूर्व बैठकें 12 अक्टूबर से शुरू होंगी और नवंबर के दूसरे सप्ताह तक जारी रहेंगी। सर्कुलर के अनुसार, ÷इस वर्ष की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए, अंतिम बजटीय आवंटन का आधार समग्र वित्तीय स्थिति होगा और यह मंत्रालय/विभाग की अवशोषण क्षमता के अधीन होगा।÷

कोल इंडिया ने कोयला भंडार से मिथेन गैस निकालने के लिये समझौता किया

नयी दिल्ली. सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया ने सोमवार को कहा कि उसकी अनुषंगी इकाई भारत कोकिंग कोल ने कोयला भंडार से मिथेन गैस निकालने को लेकर प्रभा एनर्जी के साथ 1,880 करोड़ रुपये का अनुबंध किया है। कोयला भंडार से प्राप्त मिथेन प्राकृतिक गैस का गैर- परंपरागत रुप है। कोल इंडिया ने एक बयान में कहा, ''भारत कोकिंग कोल लि. (बीसीसीएल) ने सोमवार को वाणिज्यिक रूप से कोयला भंडार क्षेत्र से मिथेन गैस निकालने को लेकर प्रभा एनर्जी प्राइवेट लि. के साथ 1,880 करोड़ रुपये की राजस्व हिस्सेदारी का अनुबंध किया है। अपनी तरह का यह पहला समझौता वैश्विक बोली प्रक्रिया के तहत किया गया है। बीसीसीएल के पट्टा क्षेत्र के अंतर्गत झरिया ब्लॉक- एक से मिथेन (कोल बेड मिथेन) गैस निकाली जायेगी। बीसीसीएल जमीन की लागत के लिए करीब 370 करोड़ रुपये लगाएगी, बाकी पैसा कोयला भंडार क्षेत्र से मिथेन गैस निकालने की परियोजना के विकास से जुड़ी कंपनी प्रभा एनर्जी लगाएगी।समझौते के मौके पर कोल इंडिया के चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल और कंपनी के निदेशक (तकनीकी) विनय दयाल डिजिटल तरीके से मौजूद थे।

डीएचएल एक्सप्रेस ने भारत में वर्ष 2022 के लिये वार्षिक मूल्य-व्यवस्था की घोषणा की

डीएचएल एक्सरप्रेस, विश्व का अग्रणी इंटरनेशनल एक्स प्रेस सेवा प्रदाता, ने आज कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह वृद्धि 1 जनवरी, 2022 से प्रभावी होगी। वर्ष 2021 की तुलना में, भारत में औसत बढ़ोतरी 6.9% होगी। डीएचएल एक्सरप्रेस वार्षिक आधार पर मूल्य-व्यरवस्था (प्राइस एडजस्टरमेंट) करता है, जिसमें महंगाई, मुद्रा-गतिशीलता और विनियामक तथा सुरक्षा उपायों से सम्बं धित प्रबंधकीय खर्चों का ध्यान रखा जाता है। इन उपायों को उन 220 से ज्यादि देशों और क्षेत्रों में से प्रत्येपक में राष्ट्री य और अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकारियों द्वारा नियमित रूप से नवीकृत किया जाता है, जहाँ डीएचएल एक्स प्रेस सेवा प्रदान करता है। स्थायनीय स्थितियों के अनुसार, मूल्यय-व्य वस्थां अलग-अलग देशों में अलग-अलग होगी और जहाँ भी अनुबंध अनुमति देते हैं, वहाँ के सभी ग्राहकों पर लागू होगी। इस व्युवस्थां से कंपनी को भी अपने इंफ्रास्ट्रीक्चेर नेटवर्क में निवेश करने और संकटों से उभरने की शक्ति बढ़ने की अनुमति मिलती है और ग्राहकों की बढ़ती मांग के कारण क्षमता में जरूरी वृद्धि होती है।

डीएचएल एक्सप्रेस इंडिया के एसवीपी और मैनेजिंग डायरेक्टर आर. एस. सुब्रमण्यिन ने कहा, ' 'वैश्विक संकट के समय में भी हमने अपने लोगों, इंफ्रास्ट्रमक्च्यर और प्रकियाओं में निवेश जारी रखा है, ताकि अपने ग्राहकों के लिये उत्कृजष्ट आपूर्ति कर सकें। हम अपनी सेवाओं के विस्तार और व्यारपकता की लगातार कोशिश कर रहे हैं। वार्षिक मूल्यत-व्यहवस्थाक से हमें डिजिटल टूल्सअ में ज्यादा निवेश करने की अनुमति मिलती है। इससे हमें फैसिलिटी और फ्लीट के विस्ताअर में निवेश की अनुमति भी मिलती है, ताकि हम चुस्तन, स्थाइयी और श्रेणी में सर्वश्रेष्ठप ग्राहक समाधान सुनिश्चित कर सकें। इसमें अत्याधुनिक एयरक्राफ्ट और व्हीसकल्सस के साथ ही हमारे हब्सा और गेटवेज का विस्ताठर भी शामिल है, ताकि हमारी क्षमताएं बढ़ें क्यों कि यथासंभव तीव्रतम क्रॉस-बॉर्डर शिपिंग के लिये ग्राहकों की मांग लगातार बढ़ रही है। हम विश्व में बढ़ते विनियामक और सुरक्षा उपायों का पूरा अनुपालन करने में भी लगातार निवेश कर रहे हैं। यह निवेश सुनिश्चित करते हैं कि हम अपने ग्राहकों के सफर के हर कदम में उनका साथ दें।"

वैश्विक संकेतों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में उठापटक का दौर

मुंबई।

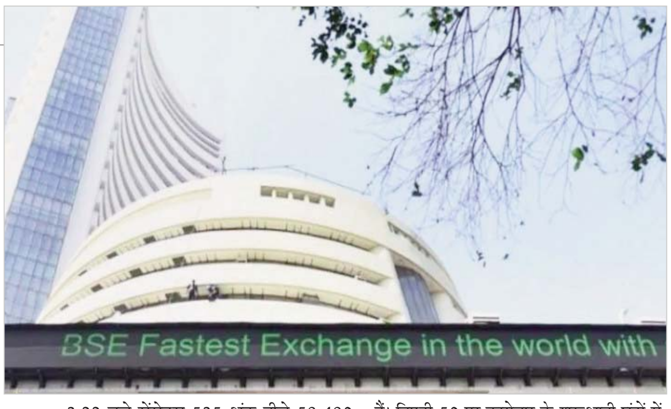

वैश्विक संकेतों से प्रभावित भारतीय शेयर बाजार में उच्च स्तर की अस्थिरता देखी जा रही है क्योंकि सभी बाजारों में कमजोर रुझान दिख रहा है। तदनुसार, बाजार खुलने के बाद एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स सूचकांक 490 अंक गिरकर 58,525 को छू गया और व्यापक एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद से 204 अंक नीचे 17,425 अंक तक गिर गया। हालांकि, यह घाटे की भरपाई करने और सकारात्मक क्षेत्र में वापस उछाल देने में कामयाब रहा - दिन के उच्चतम बिंदु पर लगभग 200 अंक की बढ़त के साथ सेंसेक्स फिर से 59,000 के माउंट को पार कर गया। हालांकि, टाटा स्टील, एचडीएफसी और एसबीआई सहित अन्य में लगातार बिकवाली के दबाव से बीएसई बेंचमार्क इंडेक्स एक बार फिर लाल रंग में फिसल गया। हालांकि एफएमसीजी दिग्गज हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी मजबूती के साथ कारोबार कर रहे हैं। दोपहर 3.22 बजे सेंसेक्स 535 अंक नीचे 58,480 पर था। व्यापक बाजार भी अब निफ्टी 191 की गिरावट के साथ 17,388 पर पहुंच गया है। निफ्टी एफएमसीजी को छोड़कर, अन्य सभी सेक्टोरल इंडेक्स धातुओं, पीएसयू बैंकों, वित्तीय सेवाओं, ऑटो और रियल्टी इंडेक्स में सबसे ज्यादा गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी 50 पर कारोबार के शुरूआती घंटों में एचयूएल सबसे ज्यादा बढ़त में रहा, जबकि ओएनजीसी, आईटीसी, एचसीएल जैसे अन्य शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया। दूसरी ओर टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, हिंडाल्को, अदानी पोर्ट्स के साथ सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली कंपनी रही।

एवरग्रांडे से चीन की अर्थव्यवस्था पर मंडराया खतरा

नई दिल्ली।

चीनी कंपनी एवरग्रांडे ने अपने धन प्रबंधन व्यवसाय में निवेशकों को संपत्ति के साथ अदायगी शुरू कर दी है, क्योंकि दुनिया के सबसे अधिक कर्जदार रियल एस्टेट डेवलपर को इस सप्ताह एक महत्वपूर्ण परीक्षा का सामना करना पड़ रहा है। बीबीसी की एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। प्रमुख बैंकों को कथित तौर पर बताया गया है कि उन्हें सोमवार को होने वाले लोन्स पर ब्याज भुगतान प्राप्त नहीं होगा, जबकि फर्म के बांड पर 84 मिलियन डॉलर का ब्याज भुगतान भी गुरुवार को होने वाला है। हांगकांग के कारोबार में सोमवार को कंपनी के शेयरों में 15 फीसदी की गिरावट आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि संपत्ति की दिग्गज कंपनी की बढ़ती कर्ज की समस्याओं ने चीन की अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित पतन के प्रभाव को लेकर आशंका पैदा कर दी है। एवरग्रांडे 300 अरब डॉलर से अधिक का उधार लेकर चीन की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक बन गई है। पिछले साल, बीजिंग ने बड़े रियल एस्टेट डेवलपर्स पर बकाया राशि को नियंत्रित करने के लिए नए नियम बनाए थे। नए उपायों ने एवरग्रांडे को अपनी संपत्तियों को बड़ी छूट पर पेश करने के लिए प्रेरित किया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि व्यापार को बनाए रखने के लिए पैसा आ रहा था। अब, यह अपने लोन्स पर ब्याज भुगतान को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस अनिश्चितता के चलते एवरग्रांडे के शेयर की कीमत में इस साल करीब 85 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने इसके बॉन्ड्स को भी डाउनग्रेड कर दिया है। द इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) मैटी बेकिंक ने बीबीसी को बताया, वित्तीय गिरावट दूरगामी होगी। एवरग्रांडे पर कथित तौर पर लगभग 171 घरेलू बैंकों और 121 अन्य वित्तीय फर्मों का पैसा बकाया है। अगर एवरग्रांडे डिफॉल्ट करता है, तो बैंकों और अन्य उधारदाताओं को कम उधार देने के लिए मजबूर किया जा सकता है।

केफिन टेक में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिये 310 करोड़ रुपये निवेश करेगा कोटक महिंद्रा बैंक

मुंबई,

कोटक महिंद्रा बैंक ने सोमवार को कहा कि वह जनरल अंटलांटिक समर्थित केफिन टेक्नोलॉजीज में करीब 10 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिये 310 करोड़ रुपये निवेश करेगा। केफिन एक निवेशक मंच है। यह म्यूचुअल फंड, बीमा और पेंशन जैसी परिसंपत्तियों में वित्तीय प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करता है। यह 25 म्युचुअल फंड को सेवा प्रदान करता है और इसकी इक्विटी परिसंपत्ति में प्रबंधन अधीन 35 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कोटक महिंद्रा बैंक के संयुक्त प्रबंध निदेशक दीपक गुप्ता ने कहा कि निवेश निजी क्षेत्र के बैंक की रणनीति के अनुरूप है। इसके तहत बैंक उन कंपनियों में छोटी राशि निवेश करता है, जो पेशेवर रूप से प्रबंधित हैं और ग्राहकों तक बेहतर पहुंच रखते हैं। इस बारे में केफिन के अध्यक्ष एमवी नायर ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक का साथ और केफिन के मौजूदा शेयरधारक जनरल अटलांटिक के निरंतर समर्थन से हम अपने कारोबार को अधिक ऊंचाई तक ले जाने में सक्षम होंगे।

पैनासोनिक ने अपने 'ग्रैंड डिलाइट्स' ऑफरों के साथ रोशन किया त्योहारी सीजन

विविध कारोबार वाली अग्रणी तकनीकी कंपनी पैनासोनिक इंडिया ने आगामी त्योहारी सीजन में खुशियां बढ़ाते हुए आज अपने फेस्टिव ग्रैंड डिलाइट्स ऑफर पेश किए। त्योहारी खरीद को सभी के लिए किफायती और टिकाऊ बनाते हुए पैनासोनिक अपने सभी इलेक्ट्रॉनिक्स, होम अप्लायंसेज, सौंदर्य और लाइफस्टाइल उत्पादों में आकर्षक ऑफर्स और प्रमोशन लाई है। देश भर के (केरल के अलावा) सभी अधिकृत पैनासोनिक स्टोर्स में ये ऑफर 10 नवंबर 2021 तक लागू रहेंगे।

पैनासोनिक इंडिया के डिविजनल हेड ङ्क कंज्यूमर सेल्स डिविजन सुगुरु ताकामात्सु ने फेस्टिव ऑफर्स के बारे में कहा, "आज उपभोक्ता अपनी खरीद से आराम, सुरक्षा तथा स्वच्छता के रूप में भरपूर कीमत ढूंढ रहे हैं। हमारा मकसद अपने त्योहारी ऑफर्स 'ग्रैंड डिलाइट्स' के जरिये शानदार कीमत और अतिरिक्त रिवार्ड्स के साथ अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्ता एवं स्मार्ट उत्पादों का बेमिसाल संगम देना है। उपभोक्ताओं के सकारात्मक हौसले और मूल्य आधारित उत्पादों की मांग में लगातार वृद्धि देखकर हमें इस त्योहारी सीजन में कंज्यूमर ड्यूरेबल्स श्रेणी में अच्छी खासी वृद्धि होने की उम्मीद है।"

ग्रैंड डिलाइट्स ऑफर्स उपभोक्ताओं को स्मार्ट उत्पाद खरीदने, अपनी रोजमर्रा की जिंदगी को और भी आरामदेह तथा कनेक्टेड बनाने का

मौका प्रदान करते हैं। इन ऑफर्स में पैनासोनिक के अनेक उपकरणों जैसे टेलीविजन, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव, होम थिएटर, ब्यूटी और लाइफस्टाइल उत्पादों की श्रेणियों में जीरो डाउन पेमेंट, नो कॉस्ट ईएमआई योजनाओं जैसे वित्तीय फायदे शामिल हैं।

एक्सॉनमोबिल ने अपनी सिंथेटिक इंजन ऑयल की रेंज का विस्तार किया; स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल्स के लिए मोबिल सुपरTM एसयूवी प्रो लॉन्च किया

बेंगलुरु । एक्सॉनमोबिल कॉरपोरेशन की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटेड ने मोबिल सुपरङ्करू ऑल-इन-वन प्रोटेक्शन एसयूवी प्रो सिंथेटिक इंजन ऑयल लॉन्च करने की घोषणा की। यह लॉन्चं ऐसे समय में किया गया है, जब स्पोर्ट्स वाहनों की बिक्री में उछाल आया है। यह नए यात्री वाहनों की बिक्री का लगभग एक तिहाई हिस्सा है।

एक्सॉनमोबिल लुब्रिकेंट्स प्राइवेट लिमिटड के चीफ एक्जिक्यूटिव ऑफीसर दीपांकर बनर्जी ने कहा, "लोग अब शहरों के घने ट्रैफिक में आसानी से चलने, खराब मौसम से निपटने और ऊबड़-खाबड़ सड़कों पर ड्राइविंग के लिए एसयूवी को ज्यादा से ज्यादा अपना रहे हैं। एसयूवी मलिकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हम विशेष रूप से एसयूवी इंजन के लिए सक्रिय सामग्रियों से बनाया गया मोबिल सुपर एसवी प्रो लॉन्च कर रहे हैं। जब भी चाहे आप रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए गाड़ी निकालते हों या वीकेंड ड्राइव के लिए जाते हों, हमारा नया मोबिल सुपर एसयूवी प्रो सभी तरह के रास्तों के लिए ऑल-इन-वन प्रोटेक्शन देने के फीचर्स से लैस है। इसे सभी एसयूवी मालिकों के लिए अपनी गाड़ियों की देखभाल आसान हो जाएगी।"

पूरी तरह से सिंथेटिक मोबिल सुपरङ्करू एसयूवी प्रो प्रदान करता है : • गाड़ी के इंजन को 79 प्रतिशत बेहतर ढंग से सुरक्षित रखते हैं। •इंजन को अंदरूनी नुकसान से बचाने के लिए शानदार लो स्पीड प्री इग्निशिन प्रोटेक्शन प्रदान करते हैं • रुक-रुक कर चलने वाले ट्रैफिक की स्थिति में यह रोजाना वाहनों का ईंधन बचाते हैं और वाहनों को ज्यालदा सुरक्षा प्रदान करते हैं •सभी तरह के मौसम में इंजन की सुरक्षा करते हैं और उसके सालों साल चलने मं मददगार बनते हैं • हीट एक्टिवेटेड एंटी वियर प्रोटेक्शन देते हैं

एपीआइ एसएन इंजन के परीक्षण की जरूरतों के मुकाबले एएसटीएम डी6891 (Seq. IVA के टेस्ट के परिणामों पर आधरित) मोबिल सुपर एसयूवी प्रो को लुब्रिकेंट टेक्नोलॉजी के 150 वर्ष के अनुभव के आधार पर विकसित किया गया है, जिससे यह आपके रोजमर्रा के सफर को सुरक्षित बनाता है और आरामदेह ड्राइविंग के लिए जांची-परखी सुरक्षा प्रदान करता है। इसके साथ ही आप वीकेंड पर ज्यादा रोमांचक पलों का मजा भी किफायती दाम पर उठा सकते हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने 'रिवार्ड123प्लस' डिजिटल सेविंग्स अकाउंट लॉन्च किया

अपने फ्लैगशिप रिवार्ड्स123 सेविंग्स अकाउंट के लॉन्च के बाद आज एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने रिवार्ड्स123प्लस डिजिटल सेविंग्स अकाउंट वैरिएंट के लॉन्च की घोषणा की। विभिन्न तरह के डिजिटल विनिमयों पर निश्चित बेनेफिट्स के साथ यह एक साल का डिज़्नी+ हॉटस्टार मोबाईल सब्सक्रिप्शन भी प्रस्तुत करता है। गणेश अनंतनारायणन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने कहा, ''रिवार्ड्स123 ग्राहकों को डिजिटल विनिमयों पर निश्चित मासिक बेनेफिट्स प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता के साथ हमने रिवार्ड्स123प्लस प्रस्तुत किया है, जो उनके मनोरंजन का ख्याल रखेगा। हमें ग्राहकों को अपने सब्सक्रिप्शन का फायदा देने के लिए डिज़्नी+ हॉटस्टार के साथ गठबंधन करने की खुशी है। हम भविष्य में अपने रिवार्ड123 में और ज्यादा फायदे शामिल करेंगे।''

ग्राहक अपने एयरटेल थैंक्स ऐप के बैंकिंग सेक्शन में जाकर रिवार्ड्स123प्लस खोल सकते हैं या इसमें अपग्रेड कर सकते हैं। यह प्रक्रिया आसान है और देश में किसी भी जगह से मिनटों में पूरी की जा सकती है। वॉलेट के ग्राहक भी रिवार्ड्स123प्लस के फायदों का आनंद ले सकते हैं।

ग्राहकों को रिवार्ड्स123प्लस मात्र 499रु. के वार्षिक शुल्क पर मिलता है और इसके साथ उन्हें पूरे साल अनेक फायदे प्राप्त होते हैं:

- डिज़्नी+ हॉटस्टार का सब्सक्रिप्शन – 1 साल का डिज़्नी+ हॉटस्टार मोबाईल सब्सक्रिप्शन (499 रु. का)।
- लोड मनी बेनेफिट – यूपीआई द्वारा पैसे जमा करने पर प्रतिमाह 10 रु. का कैशबैक (कम से कम 1,000 रु. के विनिमय पर)
- पेमेंट बेनेफिट्स – मोबाईल प्रिपेड रिचार्ज, मोबाईल पोस्ट-पेड, ब्रॉडबैंड, लैंडलाईन और डीटीएच बिल के भुगतान पर माह में एक बार 30 रु. का कैशबैक (कम से कम 225 रु. के भुगतान पर)

रिवार्ड्स123प्लस सेविंग्स अकाउंट के ग्राहकों को 1 लाख रु. से 2 लाख रु. के बैलेंस पर 6 प्रतिशत की ब्याज दर, जीरो मिनिमम बैलेंस, और ऑटो-स्वीप सुविधा के साथ अनलिमिटेड डिपोज़िट्स की सुविधा मिलेगी।

ग्राहक द्वारा रिवार्ड्स123प्लस खोलने या अपग्रेड करने के बाद, वो सब्सक्रिप्शन को एक्टिवेट करने के लिए अपने रजिस्टर्ड नंबर द्वारा डिज़्नी+ हॉटस्टार वेबसाईट (https://www.hotstar.com/in) या ऐप में लॉगइन कर सकते हैं। इस सब्सक्रिप्शन के साथ ग्राहकों को डिज़्नी+ हॉटस्टार की विस्तृत लाईब्रेरी की उपलब्ध होगी,जिसमें आठ भाषाओं में अंतर्राष्ट्रीय और स्थानीय कंटेंट सहित 19 सितंबर को शुरू हो रहे आईपीएल 2021 एवं सबसे बड़े स्पोर्टिंग टूर्नामेंट की लाईव स्ट्रीम शामिल है।

अमेज़न इंडिया ने अहमदाबाद में त्यौहारों के सीजन से पहले एक और डिलीवरी स्टेशन लॉन्च किया

अमेज़न इंडिया ने आज गुजरात के अहमदाबाद में एक नये डिलीवरी स्टेनशन के लॉन्च की घोषणा की है। 11,000 वर्गफीट में फैले इस नये स्टेटशन से, त्यौ8हारों के आगामी सीजन से पहले, अमेज़न का लास्टब-माइल डिलीवरी नेटवर्क मजबूत होगा और पूरे अहमदाबाद शहर में डिलीवरी ज्या,दा तेज होंगी। यह डिलीवरी स्टे शन अहमदाबाद और उसके आस-पास के इलाकों, जैसे चांदखेड़ा, मोटेरा, अदलज, भाट, शाहीबाग, रानिप और साबरमती, आदि में ग्राहकों के लिये उनके ऑर्डर्स की डिलीवरी को आसान बनाएगा। डिलीवरी स्टेभशंस में निवेश से इस क्षेत्र में ग्राहकों के ऑर्डर्स की लास्टम माइल डिलीवरी ज्याीदा तेज होगी और शहर में स्थोनीय स्तकर पर रोजागरों का सृजन होगा।

इस विस्ताकर पर अपनी बात रखते हुए, अमेज़न लॉजिस्टिक्सो के डायरेक्टेर प्रकाश रोचलानी ने कहा, ' 'हमारा मानना है कि ग्राहक कहीं भी रहते हों, उन्हें तेज और भरोसेमंद डिलीवरी पसंद है। ई-कॉमर्स को रोजाना की जिन्दैगी का हिस्सार बनाने और भारत की खरीदी और बिक्री का तरीका बदलने के अपने विचार के अनुसार, हमने गुजरात में अपने लास्टर माइल डिलीवरी नेटवर्क का विस्तानर किया है। इसके साथ ही अहमदाबाद में 11000 वर्गफीट में फैला एक नया डिलीवरी स्टेंशिन खोला है। इस विस्ताार से शहर के लोगों के लिये स्थावनीय आधार पर काम के कई अवसर बनेंगे, क्यों कि हम गुजरात में रोजगारों के सृजन और बुनियादी ढांचे के निर्माण में लंबे समय तक निवेश जारी रखेंगे।'

कंपनी ने बडोल, मानुंद, वाडावली, वासावाड और सरदारगढ़ जैसे कस्बोंक में अमेज़न के स्वौमित्वक वाले और पार्टनर नेटवर्क के माध्यंम से डिलीवरी के लिये सीधी मौजूदगी के साथ, गुजरात में अपने डिलीवरी नेटवर्क के विस्त्र की घोषणा भी की है। डिलीवरी नेटवर्क के इस विस्त्र से अमेज़न गुजरात के छोटे कस्बों में पहुँच सकेगा और राज्यै के 550 से ज्यारदा पिनकोड्स में मजबूती से डिलीवरी कर सकेगा। अब ग्राहक बड़ी संख्याग में वन-डे और टू-डे-डिलीवरी के वादों का मजा ले सकते हैं। इस विस्ताबर के साथ, गुजरात में अब अमेज़न इंडिया के पास 110 से ज्याजदा अपने स्वाूमित्वड वाले और डिलीवरी सर्विस पार्टनर स्टेइशंस हैं और साथ ही 800 से ज्याजदा 'आई हेव स्पेसि' पार्टनर्स हैं।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस में इजाफा किया

मुंबई (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस में इजाफा किया। बोर्ड के सचिव जय शाह ने सोमवार को इसकी घोषणा की। बीसीसीआई शीर्ष परिषद की बैठक में शामिल हुए शाह ने यह भी कहा कि 2019/20 सीजन में खेलने वाले क्रिकेटरों को 2020/21 सीजन में कटौती के लिए अतिरिक्त 50 प्रतिशत शुल्क मिलेगा।

शाह ने ट्वीट कर कहा, मुझे घरेलू क्रिकेटरों की मैच फीस में इजाफा कर खुशी हो रही है। सीनियरों (40 मैचों के ऊपर) को 60000 रुपए, अंडर-23 को 25000 हजार रुपए और अंडर-19 को 20000 रुपए मिलेंगे। अब तक सीनियर पुरुष घरेलू क्रिकेटर रणजी ट्रॉफी या विजय हजारे ट्रॉफी में हर मैच प्रतिदिन 35000 रुपये कमाते थे। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए, उन्हें प्रति मैच 17500 रुपये का भुगतान किया जाता था।

हालांकि, मैच फीस में संशोधन के साथ सीनियर पुरुष घरेलू क्रिकेट में खिलाड़ियों की तीन श्रेणियां बनाई गई हैं। 20 घरेलू मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 40000 रुपये, 21-40 घरेलू मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 40000 रुपये और 40 से अधिक घरेलू मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को 60000 रुपये मिलेंगे। 2021/22 सीजन के लिए यू-25 श्रेणी में, प्रति दिन शुल्क 17,500 से बढ़ाकर 20,000 रूपये दिया गया है। अंडर-19 वर्ग में प्रतिदिन की फीस 10,500 से बढ़ाकर 20,000 रुपये की गई है। अंडर-16 के लिए फीस 3,500 से बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दी गई है

शाह ने कहा, 2019/20 घरेलू सीजन में भाग लेने वाले क्रिकेटरों को कोविड -19 स्थिति के कारण 2020/21 सीजन के नुकसान के मुआवजे के रूप में 50 फीसदी अतिरिक्त मैच शुल्क मिलेगा।

महिला घरेलू क्रिकेट में सीनियर खिलाड़ियों की फीस 12,500 से बढ़ाकर 20,000 रुपये कर दी गई है। यू-25 के लिए फीस 5,500 से बढ़ाकर 10,000 रूपये कर दी गई है। अंडर-19/अंडर-16 के लिए फीस 5,500 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये की जाएगी। पुरुष और महिला घरेलू क्रिकेट में टी20 मैच फीस संबंधित श्रेणी की 50 फीसदी होगी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का आयोजन 20 अक्टूबर से 12 नवंबर तक होगा जबकि पिछले सीजन में रद्द हुई रणजी ट्रॉफी का आयोजन 16 नवंबर से 19 फरवरी और विजय हजारे ट्रॉफी की शुरूआत 23 फरवरी से 26 मार्च 2022 तक होगी। इस सीजन में पुरुष और महिला वर्ग में विभिन्न आयु समूहों में कुल 2127 घरेलू मैच खेले जाएंगे।

संजीत, शिवा और हुसामुद्दीन ने पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के फाइनल में प्रवेश किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बेल्लारी, 20 सितम्बर (आईएएनएस)। संजीत, शिवा थापा और मोहम्मद हुसामुद्दीन ने सोमवार को कर्नाटक के बेल्लारी में स्थित इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में जारी पांचवीं एलीट पुरुष राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) का प्रतिनिधित्व करने वाले मौजूदा एशियाई चैंपियन संजीत दिल्ली के अपने प्रतिद्वंद्वी हर्ष कौशिक के लिए बहुत मजबूत साबित हुए। संजीत ने 92 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में 5-0 की एकतरफा जीत दर्ज की। फाइनल में संजीत का सामना हरियाणा के नवीन कुमार से होगा। नवीन ने पंजाब के राघव चौधरी को बाहर का रास्ता दिखाया। फाइनल मुकाबले मंगलवार को होंगे।

एसएससीबी के एक अन्य मुक्केबाज मो. हुसामुद्दीन को हालांकि फार्म में चल रहे युवा विश्व चैंपियन हरियाणा के सचिन से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। गत चैंपियन हुसामुद्दीन को 57 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में 4-1 से जीत हासिल करने से पहले कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अब स्वर्ण पदक मुकाबले में उनका सामना दिल्ली के रोहित मोर से होगा।

दीपक (51 किग्रा), आकाश (54 किग्रा), एताश खान मोहम्मद (60 किग्रा), दलवीर सिंह तोमर (63.5 किग्रा), आकाश (67 किग्रा), सुमित (75 किग्रा), सचिन कुमार (80 किग्रा), लक्ष्य (86 किग्रा) और नरेंद्र (प्लस 92 किग्रा) फाइनल में पहुंचने वाले एसएससीबी के अन्य मुक्केबाज थे।

इस बीच, 63.5 किग्रा में, विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता थापा ने उत्तर प्रदेश के अभिषेक यादव के खिलाफ सर्वसम्मत अंतर से शानदार जीत दर्ज की। असम के अनुभवी मुक्केबाज थापा फाइनल में एसएससीबी के दलवीर से भिड़ेंगे।

चंडीगढ़ के कुलदीप कुमार (48 किग्रा) और सागर (+92 किग्रा) ने भी समान रूप से प्रभावी जीत के साथ फाइनल में जगह बनाई। कुलदीप कुमार ने उत्तर प्रदेश के रवि कुमार को सर्वसम्मत अंतर से मात दी। सागर ने भी आराम से महाराष्ट्र के रेनॉल्ड जोसेफ को आरएससी के फैसले से हराया। कर्नाटक के लिए, निशांत देव ने 71 किग्रा भार वर्ग में अंतिम बर्थ भी बुक कर लिया। निशांत ने 5-0 की आसान जीत के साथ हरियाणा के यशपाल को मात दी।

फाइनल में प्रवेश के साथ, मुक्केबाजों ने 2021 एआईबीए एलीट मेन्स वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में जगह बनाने के लिए अपनी चुनौतियों को जीवित रखा है। 24 अक्टूबर से छह नवंबर तक सर्बिया में होने वाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए स्वर्ण पदक विजेताओं का चयन किया जाएगा।

रोहित शर्मा अगले मैच में शामिल होंगे : जयवर्धने

दुबई। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने को भरोसा है कि टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल के अगले मैच में शामिल होंगे। रोहित रविवार को हुए चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में शामिल नहीं थे। मुंबई का सामना 23 सितंबर को कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ होगा। ऐसे में कोच को उम्मीद है कि रोहित इस मुकाबले में टीम का नेतृत्व करेंगे। जयवर्धन ने मैच के बाद वर्चुल प्रेस वार्ता में कहा, रोहित अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन इंग्लैंड से वापस लौटने के कारण हमें लगा कि उन्हें कुछ और दिन की जरूरत है। वह अगला मुकाबला खेलने के लिए ठीक हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या के अगले मैच में भी खेलने पर संशय है क्योंकि उन्हें कुछ दिक्कतें हैं। कोच ने कहा, हार्दिक ट्रेनिंग कर रहे हैं लेकिन उन्हें कुछ दिक्कत है। एहतियात बरतते हुए हम उन्हें कुछ अतिरिक्त दिन आराम देने के बारे में सोच रहे हैं। देखना चाहते हैं कि चीजें कैसी है लेकिन गंभीर नहीं है। जयवर्धने ने साथ ही कहा कि मुंबई की टीम में किसी ने ऐसे बल्लेबाजी नहीं की जैसे चेन्नई सुपर किंग्स के लिए रुतुराज गायवाड़ ने की। उन्होंने कहा, दूसरी पारी में विकेट अच्छा था और हमारे बल्लेबाजों को लगा कि वे बल्लेबाजी कर सकते हैं। मैं इस बात को स्वीकार करता हूं कि हमने कुछ विकेट आसानी से गंवाए। ऐसे बल्लेबाज की जरूरत थी जो जिम्मेदारी से खेले और अंत तक पारी को बढ़ाए जो हम नहीं कर पाए। चेन्नई के लिए ऐसा गायकवाड़ ने किया। जयवर्धने ने कहा, जब चेन्नई के विकेट गिर रहे थे तो एक सेट बल्लेबाज अंत तक टिका रहा। मेरे ख्याल से हम निराश हैं जिस तरह से हमने स्थिति को देखा। कोच ने कहा, ब्रेक हमारे नियंत्रण में नहीं है। हमने भारत में कुछ अच्छे मुकाबले खेले लेकिन दुर्भाग्य से टूर्नामेंट को रोकना पड़ा और सभी लोगों को दुनिया भर के अलग-अलग हिस्सों में खेलना पड़ा। इसके बाद हम लोग फिर साथ आए हैं और लय बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जयवर्धने ने कहा, हमने इस बारे में चर्चा की और हमें पता था कि टीम को अनुभवी चेन्नई के खिलाफ बेहतर करना होगा। हमने कुछ गलतियां की और यह ऐसा है जिस पर हमें जल्द काम करने की जरूरत है।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने मुंबई इंडियंस को 20 रन से हराया, प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची

दुबई। सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ के नाबाद अर्द्धशतक के बाद ड्वेन ब्रावो और दीपक चाहर तूफानी गेंदबाजी से चेन्नई सुपरकिंग्स इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 20 रन से हराकर प्वाइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गया। मई में आईपीएल के जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 संक्रमण के कई मामले आने के बाद भारत में सत्र को निलंबित किए जाने के बाद सत्र बहाल होने पर यूएई में पहला मुकाबला था। चेन्नई के 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम ब्रावो (25 रन पर 3 विकेट) और दीपक (19 रन पर 2 विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 8 विकेट पर 136 रन ही बना सकी। मुंबई की ओर से सौरभ तिवारी (40 गेंद में नाबाद 50, 5 चौके) ही 20 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रहे। चेन्नई सुपरकिंग्स ने गायकवाड़ (नाबाद 88) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के अलावा रविंद्र जडेजा (26) के साथ 5वें विकेट के लिए उनकी 81 और ब्रावो (आठ गेंद में 23, तीन छक्के) के साथ छठे विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी से 6 विकेट पर 156 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। गायकवाड़ ने 58 गेंद का सामना करते हुए 4 छक्के और 9 चौके मारे। उन्होंने ब्रावो के साथ मिलकर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की जिससे सुपरकिंग्स अंतिम 9 ओवर में 109 रन जोड़ने में सफल रहे।

महिला क्रिकेट : भारत और ऑस्ट्रेलिया मल्टी फॉर्मेट सीरीज के लिए तैयार

मकाय (एजेंसी)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमें मंगलवार से यहां तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले के साथ ही मल्टी फॉर्मेट सीरीज के लिए तैयार हैं।

ऑस्ट्रेलिया की नजरें इस दौरान वनडे में अपने रिकॉर्ड विजयी अभियान को जारी रखने पर होगी जबकि कप्तान मिताली राज के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के विजयी अभियान को थाम कर सीरीज की शुरूआत सकारात्मक तरीके से करना चाहेगी। भारत ने आईसीसी महिला विश्व कप 2017 के सेमीफाइनल में टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार टीम को सेमीफाइनल में बाहर किया था।

इस हार के चार साल बाद ऑस्ट्रेलिया अन्य क्रिकेट विश्व कप की प्रबल दावेदार के रूप में उभर रही है। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलिया टीम को वनडे में सिर्फ एक हार

मिली है। उन्होंने इस प्रारूप में अपने पिछले 24 मुकाबले जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया की विकेटकीपर एलिसा हेली ने कहा, खेले गए सभी खेलों में कुछ अद्भुत प्रदर्शन हुए हैं और बहुत सारे अजीब परिणाम हैं, इसलिए यह मेरे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारे पास प्रतिस्पर्धा का यह छोटा सा उत्साह है और थोड़ी सी प्रतिद्वंद्विता भारत के खिलाफ चल रही है।

ऑस्ट्रेलिया का विजयी अभियान 2018 की शुरूआत से जारी हुआ। उन्होंने भारत को 3-0 से हराया। इसके बाद दोनों टीमों के बीच उसी साल टी20 विश्व कप में भिड़ंत हुई जहां भारत ने फिर आईसीसी इवेंट में ऑस्ट्रेलिया को चित्त किया। हालांकि, इस हार के बावजूद उन्होंने खिताब अपने नाम किया। इसके दो साल बाद 2020 टी20 विश्व कप के ओपनिंग मैच में भारत और ऑस्ट्रेलिया का सामना हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने एमसीजे में हुए फाइनल मुकाबले में भारत को 85 रनों से हराया। इस मैच के बाद से भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच कोई मुकाबला नहीं हुआ है। हालांकि, दोनों टीमें पिछले सप्ताह अभ्यास मैच में आमने-सामने रहीं थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज के अलावा गुलाबी गेंद से एक डे नाइट टेस्ट मैच और तीन मैचों की टी20 सीरीज भी होनी है।

ऐसी क्रिकेट टीम बनेगी पाकिस्तान कि लाइन लगाकर सभी देश आना चाहेंगे, रमीज राजा ने दिया वीडियो संदेश

रावलपिंडी (एजेंसी)।

सुरक्षा कारणों से न्यूज़ीलैंड के पाकिस्तान दौरे को रद्द करने के अगले दिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के चेयरमैन रमीज़ राजा ने सभी को इससे बाहर निकलकर आगे की तरफ़ सोचने को कहा है। शुक्रवार को मैच शुरू होने के ठीक पहले तक न्यूज़ीलैंड की टीम पाकिस्तान में मौजूद थी और तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के अलावा पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ के लिए तैयारी कर रही थी। मैच शुरू होने के कुछ ही मिनट पहले न्यूज़ीलैंड ने दौरे को रद्द करने की घोषणा करते हुए सभी को हैरान कर दिया था।

क्रिकइंफो को जानकारी मिली है कि एक समय पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड मन बना चुका था आधिकारिक तौर पर न्यूज़ीलैंड के इस फ़ैसले का विरोध करना है लेकिन फिर बाद में उन्होंने ये फ़ैसला किया कि उनके पास ऐसा करने का पुख्ता आधार नहीं है। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने ये फ़ैसला उनकी सरकार और सुरक्षा एजेंसी को मिली जानकारी के बाद लिया था।

रमीज़ राजा की ओर से पाकिस्तानी क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया गया। जिसमें उन्होंने कहा, 'जो भी हुआ है वह पाकिस्तान क्रिकेट के लिए बिल्कुल अच्छा नहीं है। लेकिन एक चीज़ जो हमें मज़बूत बनाती है, वह यह है कि ऐसी परिस्थितियां अतीत में भी हमारे सामने आईं थीं और फिर हमने उन्हें पार पाते हुए आगे की ओर देखा।'

राजा ने कहा, 'मैं अपने सभी क्रिकेट प्रेमियों से गुज़ारिश करता हूं कि इस मुश्किल हालात में भी आप हमारे साथ रहें, आपका साथ हमें विश्व कप में ताक़त प्रदान

करेगा। मैं अपने खिलाड़ियों से कहना चाहूंगा कि आप अपना गुस्सा मैदान पर निकालें और यही हमारे दर्द की दवा होगी। अगर आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बन जाएंगे तो हर कोई आपके देश में आकर खेलने के लिए लाइन लगाएगा। मैं उम्मीद करूंगा कि सभी लोग इससे सबक़ लें और आगे की तरफ़ देखें न कि निराश और हताश हों।' इस समय जो पाकिस्तान क्रिकेट के हालात हैं, वह यह है कि पीसीबी को इस बात का डर है कि अब हर देश उनके यहां आकर खेलने में परहेज़ कर सकता है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को आर्थिक तौर पर भारी नुक़सान का भी डर सता रहा है और साथ ही साथ विश्व कप से पहले उनकी तैयारियों को भी झटका लगा है। पाकिस्तान के पास टी-20 विश्वकप से पहले वेस्टइंडीज़, न्यूज़ीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ़ कुल 12 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलना था। लेकिन कैरेबियाई सरज़मीं पर इन तैयारियों पर पहले बारिश ने पानी फेरा और अब न्यूज़ीलैंड ने दौरा रद्द करते हुए एक और झटका दे दिया है। इतना ही नहीं इंग्लिश क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) भी पाकिस्तान दौरे को लेकर पुनर्विचार कर रहा है और इसपर जल्द ही फ़ैसला करने वाला है। रमीज़ राजा ने आगे कहा, 'हम इन हालातों से उबर पाना जानते हैं और जल्द ही इस स्थिति से बाहर आएंगे। हमें अपने ऊपर और हमारे घरेलू क्रिकेट पर विश्वास है और अभी भी हम एक शानदार टीम बनकर उभर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं समझ सकता हूं इस समय पाकिस्तान टीम पर बहुत ज़्यादा दबाव है, लेकिन कोई बात नहीं। हम इसका डटकर सामना करेंगे, और जल्द ही हम आपके सामने एक अच्छी ख़बर लेकर आएंगे। हम अपने फ़ैंस से उम्मीद करते हैं कि वह इन हालातों में भी हमारे साथ खड़े रहें। यह समय है कड़ी मेहनत करने का और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनने का ताकि हम इन चुनौतियों से आसानी से पार पा सकें।'

न्यूज़ीलैंड के सुरक्षा इल्ज़ामों को पाकिस्तान ने सिरे से किया ख़ारिज

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के सीईओ डेविड व्हाइट के उन दावों को ख़ारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान में सुरक्षा इंतज़ाम ऐसे नहीं थे कि रूका जा सकता।

पाकिस्तान में मौजूद ईएसपीएन क्रिकइंफ़ो के सूत्रों ने बताया कि पीसीबी ने पूरी तरह न्यूज़ीलैंड के उन दावों को बेबुनियाद बताया है जिसमें 'उनकी जान को ख़तरा' बताया जा रहा था। इससे पहले न्यूज़ीलैंड मीडिया के सामने डेविड व्हाइट ने एक वर्चुअल प्रेस कॉन्फ़्रेंस की थी और उसमें बताया था कि किन परिस्थितियों में उन्हें दौरा रद्द करना पड़ा। उन्होंने बताया कि न्यूज़ीलैंड सरकार की ओर से उन्हें ये बताया गया था कि खिलाड़ियों की जान को ख़तरा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को हालांकि इस तरह की किसी भी प्रेस कॉन्फ़्रेंस की जानकारी नहीं है लेकिन उन्होंने इस बात का खंडन किया कि न्यूज़ीलैंड के खिलाड़ियों को जान का ख़तरा था।

मुंबई ने चेन्नई को मैच में वापसी करने का मौका दिया : लारा

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा का कहना है कि मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को वापसी करने का मौका दिया। लारा ने कहा कि गेंदबाजी के दौरान मुंबई ने रणनीतिक गलती की जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा और टीम को हार का सामना करना पड़ा।

चेन्नई का स्कोर एक समय चार विकेट पर 24 रन था लेकिन उसने छह विकेट पर 156 रन बनाकर स्कोर बोर्ड पर लड़ने लायक स्कोर खड़ा किया। लारा ने क्रिकेट डॉट कॉम से कहा, कुछ चीजें हैं जो कीरोन पोलार्ड को करनी चाहिए थी और मुझे लगता है कि उन्होंने सही समय पर चीजें नहीं की और चेन्नई को मैच में वापसी करने का मौका दिया। आप इसे आसान बना सकते थे। उन्होंने कहा, मैं मुंबई के गेंदबाजों को दोष नहीं दे रहा लेकिन मुझे लगता है कि इन्हें थोड़ी अच्छी तरह रणनीति बनानी चाहिए। मुझे लगता है कि यह अधिक सामरिक है। आपके पास दो स्पिनर हैं जिनका आपको किसी समय उपयोग करने की सबसे अधिक संभावना है। मैं जरूर यह नहीं कहूंगा कि गेंदबाजी खराब थी। मुझे लगा कि अगर उन्होंने उनका सही इस्तेमाल किया होता, तो चेन्नई के लिए 156 रन बनाने का कोई रास्ता नहीं होता। चेन्नई ने मुंबई को आईपीएल 2021 के दूसरे चरण के मैच में 20 रनों से हराया।

क्या विराट कोहली लेंगे संन्यास, हालात तो यही बयां कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

एक बार कप्तानी से हटने के बाद किसी भी भारतीय कप्तान का टीम इंडिया में सफर 2 -3 साल से ज्यादा नहीं रहा है। विराट कोहली जिस तरह लगातार हर फॉर्मेट से कप्तानी छोड़ रहे हैं। इसका अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह जल्द वनडे और टेस्ट की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं।

लेकिन यह करने के बाद उनका करियर भी ज्यादा लंबा नहीं चल पाएगा। 2-3 साल पहले के एक इंटर्व्यू मे वह खुद कह चुके थे कि जैसे वह क्रिकेट खेल रहे हैं और कु सीरीज को छोड़कर लगातार हर सीरीज का हिस्सा बन रहे हैं। उनका करियर 4-5

साल ही और आगे जाने वाला है। अब अटकलें यह भी लगाई जा रही है कि वह टी-20 मैचों से संन्यास की घोषणा भी कर सकते हैं। इसका कारण संभवत यह भी हो सकता है कि वनडे और टेस्ट में उनका फॉर्म उतना अच्छा नहीं रहा है।

2 साल से टेस्ट और वनडे में नहीं लगा पाए हैं शतक

विराट कोहली की बल्लेबाजी बहुत लचर तो नहीं पर वैसी नहीं रही जिसके लिए वह जाने जाते थे। विराट कोहली अगर 50 के पार पहुंच जाते थे तो 10 में से 7 बार उसको शतक में तब्दील कर देते थे। लेकिन पिछले दो साल से वह एक शतक के लिए तरस रहे हैं। आखिरी शतक उन्होंने नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट मैच में लगाया था। वहीं वनडे की बात करें तो इस ही साल अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में विराट कोहली ने शतक लगाया था।

इसका असर उनकी रैंकिंग्स में भी दिखा। अप्रैल के महीने में उन्होंने अपने वनडे की शीर्ष रैंकिंग पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के हाथों गंवा दी। वहीं टेस्ट मैचो में भी अब वह टॉप 5 टेस्ट बल्लेबाजों में नहीं है और रोहित शर्मा उनसे आगे निकल चुके हैं। टी-20 रैंकिंग्स में भी वह टॉप 5 बल्लेबाजों की फहरिस्त से निकल गए थे। वह तो भला हो न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवॉन कॉन्वे के लचर प्रदर्शन की जिसके कारण कोहली चौथे नंबर पर आ सके।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय से इस कारण ले सकते हैं संन्यास

कप्तानी छोड़ने के बाद कोहली टी-20 अंतरराष्ट्रीय को अलविदा कहने का मन भी बना सकते हैं ताकि वनडे और टेस्ट में अपना ध्यान केंद्रित कर सकें। एक कारण यह भी है कि टी-20 में भारत की बैंच स्ट्रेंग्थ काफी मजबूत है और युवा खिलाड़ी कोहली की जगह ले सकते हैं। वहीं टी-20 युवा खिलाड़ियों का खेल ही माना जाता है जिसमें पॉवर हिटिंग जरूरी होती है। अभी तो विराट भी अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाते हैं लेकिन जैसे जैसे समय बीतता जाएगा। उनकी पॉवर हिटिंग कम होती जाएगी ऐसे में अभी से एक युवा को तैयार करना बेहतर विकल्प है।

महिला क्रिकेट : विंडीज ने सुपर ओवर में द. अफ्रीका को हराया

एंटिगा। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने यहां सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में खेले गए पांचवें और अंतिम वनडे मुकाबले में सुपर ओवर में दक्षिण अफ्रीका को हराया। इस मैच में मिली हार के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने सीरीज 4-1 से अपने नाम की। विंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राशदा विलियम्स के 138 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से नाबाद 78 रन के दम पर 50 ओवर में पांच विकेट पर 192 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भी लिजेले ली के 78 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के के सहारे 61 रन की पारी की मदद से 50 ओवर में सात विकेट पर 192 रन बनाए। दोनों टीमों के बीच स्कोर बराबर रहने पर मैच का फैसला सुपर ओवर के जरिए किया गया जहां दक्षिण अफ्रीका की टीम एक ओवर में छह रन ही बना सकी जबकि विंडीज ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर पांच मैचों की वनडे सीरीज में पहली बार जीत का स्वाद चखा।

गुजरात के सीएम बनने के बाद दिल्ली दौरे पर भूपेंद्र पटेल

केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से भी उनकी मुलाकात होगी

अहमदाबाद ।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सोमवार को दिल्ली में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की । पटेल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से भी मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री बनने के बाद उनकी नई दिल्ली की यह पहली यात्रा है । गुजरात के मुख्यमंत्री पद से विजय रुपाणी के इस्तीफे के बाद पिछले सोमवार को राज्य के नए मुख्यमंत्री की शपथ लेने वाले भूपेंद्र पटेल सोमवार को नई दिल्ली की यात्रा पर हैं ।

इसके बाद केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से भी उनके मिलने का कार्यक्रम है । केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से भी उनकी मुलाकात होगी । भूपेंद्र पटेल को नई सरकार का मुख्यमंत्री बनाया गया है उन्होंने पिछले सोमवार को ही मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी तथा उनके नए मंत्रिमंडल को गुरुवार को शपथ दिलाई गई थी । रविवार को मंत्रिमंडल के कई सदस्यों ने गांधीनगर में अपना पदभार ग्रहण किया वही भूपेंद्र पटेल राजधानी गांधीनगर से पहली बार राज्य से बाहर नई दिल्ली के लिए रवाना हुए वहां वह केंद्रीय मंत्रियों के अलावा पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं से भी मुलाकात करेंगे । यह उनकी औपचारिक यात्रा है । भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को राज्य में सर्वोच्च पद की शपथ ली थी और उसके दो दिन बाद गुजरात कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में वीरवार को गांधीनगर के राजभवन में कुल २४ मंत्रियों ने शपथ ली थी । रूपाणी ने राज्य में २०२२ के विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शनिवार को राज्यपाल आचार्य देवव्रत को अपना इस्तीफा सौंप दिया था । मुख्यमंत्री के रूप में रूपाणी के इस्तीफे के साथ इस साल देश में भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में चौथे मुख्यमंत्री बने । इससे पहले कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत और त्रिवेंद्र सिंह रावत ने इस्तीफा दिया था । अहमदाबाद में जन्मे, पटेल घाटलोदिया सीट से पहली बार विधायक हैं, यह पद पहले आनंदीबेन पटेल के पास था, जो वर्तमान में मध्य प्रदेश के अतिरिक्त प्रभार के साथ उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं ।

युवक को समाधान के बहाने बुलाकर हत्या की गई

सूरत ।

सूरत शहर के कई क्षेत्रों में मामूली बातों में हत्या के मामले बन रहे है। विशेष करके परप्रांतीय लोगों की आबादी वाले इस क्षेत्र में छोटी-छोटी बातें बड़ा रूप धारण कर लेती है । ऐसे ही एक क्षेत्र में गत दिन रात को मामूली बात में हत्या की घटना सामने आई है। सूरत शहर के गोडादरा क्षेत्र में देर रात को बाइक को कट मारने के मुद्दे पर हुए झगड़े में समाधान के बहाने बुलाकर युवक की हत्या करने से सनसनी मच गई है । दो दिन पहले झगड़ा के बाद समाधान हो गया। हालांकि गणपति पंडाल में भंडारा में खाने के बाद समाधान के बहाने बुलाकर सिर में पत्थर मारकर, चाकू से वार करके युवक की हत्या करने से पुलिस सक्रिय हो गई थी और कुछ ही घंटों में आरोपियों को गिरफ्तार करके पूछताछ शुरू कर दी है।

सूरत में बाइक को कट मारने के मुद्दे पर युवक की हत्या किए जाने से सनसनी मच गई है। गोडादरा के आस्तिक नगर की बगल में प्रियंका सोसाइटी में रहते अमीतकुमार गोपालकुमार रवानी दो दिन पहले काम के लिए बाइक लेकर निकले थे। इस दौरान इसका दोस्त अमीत उर्फ प्रद्युम्न यादव ने बाइक को कट मारी थी । जिसकी वजह से अमित यादव और अमीत रवानी के बीच झगड़ा हुआ था। बाद में उनके बीच समाधान भी हो गया था । गत दिन अमित रवानी और इसका दोस्त आदित्यसिंह अखिलेश राजपूत सोसाइटी में गणपति पंडाल में भंडारा होने से खाने गया था । जहां अमित यादव और इसके दोस्त रोहित उर्फ विक्की यादव तथा रीतूराज पासवान भी आया था जहां उनके बीच फिर से बाइक की कट मारने के मुद्दे पर झगड़ा हुआ था । हालांकि, अन्य लोगों ने हस्तक्षेप करने पर मामला शांत हो गया और वह अपने घर चले गये थे । लेकिन रात को १२.१५ बजे के अमित यादव ने अमित रवानी को फोन करके समाधान के बहाने लक्ष्मणनगर सोसाइटी में बुलाया था । जहां अमित इसके दोस्त आदित्यसिंह के साथ जाने पर उनके बीच फिर से झगड़ा हुआ था।

अतीक अहमद से मिलने साबरमती जेल नहीं पहुंच पाये ओवैसी

अहमदाबाद ।

एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी को गुजरात पुलिस ने होटल के बाहर नहीं निकलने दिया । ओवैसी साबरमती जेल में बंद उत्तर प्रदेश के माफिया डान अतीक अहमद से जेल में मिलने जाने वाले थे । ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के सांसद असदुद्दीन ओवैसी सोमवार को गुजरात की यात्रा पर पहुंचे । ओवैसी यहां अपनी पार्टी के जनप्रतिनिधियों मुस्लिम समाज में विभिन्न सामाजिक संगठनों के कई पदाधिकारियों अपनी पार्टी के नेताओं से मिलेंगे । सुबह उनका साबरमती जेल पहुंचकर उत्तर प्रदेश के माफिया डॉन अतीक अहमद से मिलने का कार्यक्रम था लेकिन बताया जा रहा है कि जेल प्रशासन ने उनको इसकी मंजूरी नहीं दी है। इससे पहले ओवैसी के अतीक अहमद से मिलने के कार्यक्रम के तुरंत बाद कांग्रेस ने इस पर आपत्ति जताते हुए इसे भाजपा में एआईएमएम का गठबंधन करार दिया था । कांग्रेस विधायक ग्यासुद्दीन शेख का आरोप है कि भाजपा के इशारे पर ही ओवैसी गुजरात में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं । ओवैसी सोमवार सुबह साबरमती जेल पहुंचकर अतीत से मिलने जाने वाले थे लेकिन खानपुर स्थित लेमन ट्री होटल से उन्हें पुलिस ने बाहर ही नहीं आने दिया। ओवैसी सोमवार को दिनभर अहमदाबाद में रहेंगे तथा समाज के विविध वर्ग के लोगों से वह अपनी पार्टी के चुने हुए जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे । एआईएमआईएम फरवरी-मार्च में हुए महानगर पालिका चुनाव में अहमदाबाद, गोधरा, मोडासा में करीब दो दर्जन सीटों पर जीत दर्ज की थी। एआईएमआईएम के प्रवक्ता शमशाद पठान का कहना है कि पुलिस ने उन्हें साबरमती जेल परिसर जाने से ही मना कर दिया। ओवैसी जेल में बंद माफिया डॉन अतीक अहमद से मिलने के लिए जाना चाहते थे । गुजरात पुलिस ने कहा की अगर अतीक से मिलने की उनके पास मंजूरी नहीं है तो वहां जाना ही क्यों चाहते हैं। अतीक की पत्नी एआईएमआईएम की सदस्य है तथा उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में उनके चुनाव लड़ने की भी पूरी-पूरी संभावना है।

सिक्योरिटी गार्ड के बीच बवाल होने पर नौ लाख का नुकसान

गार्ड ने टेम्पो, चार BMW और मिनी कूपर के कार का शीशा तोड़ने पर करीब ९ लाख का नुकसान हुआ

अहमदाबाद ।

सरखेज-गांधीनगर हाइवे पर साणंद चौकड़ी के पास स्थित बीएमडबल्यु कार के शो रुम में ड्यूटी कर रहे दो सिक्योरिटी गार्ड के बीच शनिवार की रात को किसी मामले में विवाद हुआ था। गुस्से में आकर उसने शोरुम में पार्क किए गए वाहनों में तोड़फोड़ की थी। एक टेम्पो, चार बीएमडबल्यु और एक मिनी कपूर कार का शीशा तोड़ने पर करीब ९ लाख का नुकसान हुआ। जिसकी वजह से सरखेज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई । पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, ठक्करनगर के केदार अपार्टमेंट में रहते ३६ वर्षीय संदीपभाई रोहितभाई भंडेरी पिछले ३ वर्ष से साणंद सर्कल के पास स्थित बीएमडबल्यु कार के गेलोप्स नाम के शो रुम के एचआर. डिपार्टमेंट में ड्यूटी करते है।

शनिवार की रात को करीब ढाई बजे शो रुम के सिक्योरिटी सुपरवाइजर विमलेश अनुरागी ने उनको फोन किया था । विमलेश अनुरागी ने उनको बताया कि, ड्यूटी करते सिक्योरिटी गार्ड कृष्ण मोहनसिंह तथा राम किशोर यादव के बीच अंदर ही अंदर विवाद हुआ था। इस दौरान उन्होंने शोरुम के पार्किंग में रही कई कार के शीशे तोड़कर नुकसान पहुंचाया। संदीपभाई ने तुरंत ही इस मामले में शोरुम के सीईओ सतिक चेटर्जी को फोन करके जानकारी दी थी । जिसके बाद सुबह में नौ बजे संदीपभाई ने शो रुम में आकर देखने पर एक टेम्पो, चार बीएमडबल्यु कार तथा एक मिनी कपूर कार का शीशा टूटा हुआ देखा था। इसके अलावा कई कार के बोनेट सहित के हिस्से पर भी छेद हो गया था। इस मामले में उन्होंने दोनों सिक्योरिटी गार्ड को बुलाकर पूछताछ करने पर वह दोनों नाराज हो गये थे। यह दोनों गार्ड ने वादविवाद किया था । जिसके बाद संदीपभाई ने सीसीटीवी फूटेज जांच करने पर कृष्ण मोहनसिंह सभी वाहनों को आरस की पट्टी के द्वारा नुकसान पहुंचाया गया था । इस मामले में संदीपभाई ने दोनों गार्ड के विरूद्ध सरखेज पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

सूरत भूमि, सूरत। वार्ड नं. 26 गोड़ादरा में आम आदमी पार्टी द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया। इस कार्यक्रम में सैकड़ों की तादात में लोगों ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की सह संगठन मंत्री सूरत शहर महेंद्र राजपुरोहित , वार्ड संगठन मंत्री संजीव यादव, राजू जमादार, हरीश यादव, रोहित गौड़, शीतल रावल, पंकज तावडे तथा अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने आम आदमी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की शपथ ली। इस अवसर पर संजू यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छी शिक्षा और अच्छी स्वास्थ्य व्यवस्था चाहिए तो आम आदमी पार्टी को और मजबूत बनाना होगा।

सूरत। ऐ के इंस्टिट्यूट द्वारा आयोजित फेशन शो : फेशन होलिक सीज़न-2 का सुरतमे पहेला ऑडिशन संपन्न हुआ। इस ऑडिशन में बच्चो से लेकर बड़ो तक सभीने भाग लिया था। इस फेशन शो का आयोजन आकांक्षा चौहान (फेशन होलिक डायरेक्टर : मोडल, अभिनेत्री) ने किया है. आनेवाले दिनोमे गुजरात के अमदावाद, आनंद, कच्छ, राजकोट जैसे अलग अलग शहरोमे भी उसका ऑडिशन होगा. इस शो के माध्यम से सभी लोग अपना करियर ग्लेमर और फेशन इंडस्ट्री में बना सकते हैं।

सूरत भूमि, सूरत। एकता सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सलाबातपुरा पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर चंद्रशेखर पनारा मुलाकात लेकर शुभकामनाएं दी गई।

आकाश इंस्टीट्यूट के छात्र वत्सल पटेल ने समेकित जेईई मेन 2021 परिणामों में 99.25 प्रतिशत अंक हासिल किए

गुजरात, वापी ।

देश के एक प्रमुख आकाश संस्थान, गुजरात में वापी शाखा के वत्सल पटेल ने प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेन का आयोजन किया। 2021 में यूनिफाइड 99.25 पर्सेंटाइल हासिल करने से उनके माता-पिता और संस्थान के सभी कर्मचारियों को गर्व हुआ है। दुनिया में सबसे कठिन परीक्षा मानी जाने वाली IIT JEE को क्रैक करने के लिए छात्र को दो साल के क्लासरूम प्रोग्राम में आकाश इंस्टीट्यूट में भर्ती कराया गया था। अवधारणाओं को समझने और अपने अध्ययन कार्यक्रम के सख्त पालन के कारण उन्हें जेईई में शीर्ष पर्सेंटाइल में स्थान हासिल करने का श्रेय दिया जाता है। मैं शुक्रगुजार हूं कि आकाश इंस्टीट्यूट ने दोनों मामलों में हमारी मदद की है। संस्थान की सामग्री और कोचिंग के बिना मैं कम समय में विभिन्न विषयों की अवधारणा को नहीं समझ पाता।"

छात्र को बधाई देते हुए, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) के प्रबंध निदेशक, आकाश चौधरी ने कहा, च्हम गुजरात में वापी के वत्सल पटेल को उनकी अनुकरणीय उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं। जेईए मेन 2021 के चार सत्रों के लिए देश भर में दस लाख से अधिक छात्रों ने आवेदन किया था। टॉप पर्सेंटाइल स्कोरर के रूप में उनकी सफलता उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ-साथ उनके माता-पिता के सहयोग के कारण है। हम उनके भविष्य के प्रयासों में उनके अच्छे होने की कामना करते हैं।

बड़े धूमधाम से लोगों ने कि विघ्नहर्ता की विदाई

संवाददाता शिवम मिश्रा,सूरत भूमि, सूरत। नवागांव सीएनजी पंप के पास सूरत महानगर पालिका द्वारा कृतिम तलाब तैयार किया गया था। जिसमें डिंडोली विस्तार के लोगों ने विघ्नहर्ता की विदाई की कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए भक्तों ने पूरी श्रद्धा के साथ विघ्नहर्ता की विदाई की। जिसमें बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा अहम योगदान दिया गया। वार्ड नंबर 27 के पार्षद सुधाकर चौधरी पार्षद भाईदास पाटिल एवं भाजपा कार्यकर्ता गुलजारीलाल उपाध्याय तथा बजरंग दल के तमाम कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर डिंडोली पुलिस स्टेशन के अधिकारी भी उपस्थित थे। जिन्होंने पूरे दिन खड़े होकर मूर्तियों का विसर्जन करवाना सूरत महानगर पालिका लिंबायत जोन के कार्यपालक गजेंद्र चौहान तथा उनकी पूरी टीम द्वारा सराहनीय कार्य किया गया। गणेश उत्सव समिति के महामंत्री जोगेंद्र भाई साहनी, संगठन मंत्री शिवा भाई परापल्ली, अजय भाई शर्मा और गोड़ादरा डिंडोली लिंबायत के संयोजक एवं सहसंयोजक और डिंडोली के प्रमुख अशोक महापात्रा के द्वारा पूरे दिन विसर्जन करने के लिए आए भक्तों का भरपूर सहयोग दिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)